

घटना घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...



सक्षिप्त समाचार
भारत का मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ अमेरिका में गिरफ्तार

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर 2026। भारत के मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिका में एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। हिमांशु पर दिल्ली, हरियाणा समेत कई राज्यों में मर्डर, हत्या की कोशिश, रांदायी और हथियारों की तस्करी जैसे करीब 30 से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी सामने आई है। इंटरपोल ने उसके खिलाफ 2023 में रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। हरियाणा पुलिस ने उस पर 2.5 लाख और दिल्ली पुलिस ने 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। 2022 में हरियाणा में 24 घंटे में तीन हत्याओं के बाद हिमांशु चर्चा में आया था। हिमांशु भाऊ की गैंग ने ही 2025 में यूटयुबर एल्विश यादव के गुरुग्राम स्थित घर के बाहर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। हिमांशु की लॉरिस और गोल्डी बराड़ गैंग से दुश्मनी मानी जाती है। इसी मामले में एक अन्य भगोड़े नीरज फरीदपुरिया को भी पकड़ा गया। बताया गया है कि वह इस साल जमानत पर रिहा होने के बाद अपने टखने में लगा निगरानी ट्रेकर हटाकर गिरफ्तारी से बच रहा था।



माहिम में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा सद्विध आतंकी गिरफ्तार

मुंबई, 24 अक्टूबर 2026। महाराष्ट्र एंटी-टेरिज्म स्क्वाड (एटीएस) ने माहिम इलाके से प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े सद्विध आतंकी 33 वर्षीय मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर को गिरफ्तार किया है। आरोपित पर सोशल मीडिया के जरिए कथित तौर पर कट्टरपंथी विचारों का प्रचार करने के आरोप हैं। साथ ही आरोपित के मोबाइल फोन से कथित तौर पर भड़काऊ पोस्ट, मैसेज और संगठन के प्रमुख मसूद अजहर के भाषणों के ऑडियो क्लिप मिले हैं। इस मामले की गहन छानबीन एटीएस की टीम कर रही है। इस मामले की जांच कर रहे एटीएस अधिकारी ने शनिवार को बताया कि उनकी टीम को इस सद्विध आतंकी के बारे में गोपनीय जानकारी मिली थी। इसके आधार पर आरोपित को शुक्रवार को माहिम मेट्रो स्टेशन के पास लक्ष्मी बिल्डिंग इलाके से गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियां उसके मोबाइल फोन, सोशल मीडिया अकाउंट्स और ऑनलाइन गतिविधियों की पड़ताल कर रही हैं। आरोपित के पेशे को लेकर सामने आई जानकारी के अनुसार, वह परंपर्युस बेचने का काम करता है। अब तक छानबीन के अनुसार आरोपित कथित तौर पर एक टेलीग्राम ग्रुप संचालित कर रहा था, जिस पर मसूद अजहर के भाषणों के ऑडियो क्लिप अपलोड किए गए थे। एटीएस को उसके मोबाइल फोन से जिहाद का समर्थन करने वाली सामग्री मिलने की बात भी सामने आई है। एजेंसियों को संदेह है कि आरोपित ने सोशल मीडिया पोस्ट और कमेंट्स के जरिए लोगों को हथियार उठाने के लिए उकसाने की कोशिश की।

देश में 11 करोड़ फार्मर आईडी बनाने का लक्ष्य पांच महीने पहले ही पूरा : शिवराज सिंह



नई दिल्ली, 24 अक्टूबर 2026। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार ने निर्धारित समय से पांच महीने पहले ही 11 करोड़ किसान विशिष्ट डिजिटल पहचान (फार्मर आईडी) बनाने का लक्ष्य हासिल कर लिया है। उन्होंने इसे 'विकसित भारत-समृद्ध किसान' के विजन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। शिवराज ने शनिवार को बताया कि देश के कृषि क्षेत्र में डिजिटल क्रांति को नई गति देते हुए 23 अक्टूबर की रात तक देश में 11 करोड़ फार्मर आईडी बनाने का कार्य पूरा कर लिया गया। इस लक्ष्य को 31 मार्च 2027 तक हासिल किया जाना था, लेकिन केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से इसे पांच महीने पहले ही पूरा कर लिया गया। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित 'डिजिटल कृषि मिशन' के तहत हासिल की गई यह सफलता देश के अन्नदाताओं को सरकारी योजनाओं, बैंक ऋण, फसल बीमा और आपदा राहत का पारदर्शी एवं त्वरित लाभ बिना किसी कागजी दौड़-धूप के सीधे पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करती है।

वाराणसी में एयर शो का रोमांच : राफेल और सुखोई की गर्जना से गूंजा आसमान, सारंग टीम ने बनाया तिरंगा

वाराणसी, 24 अक्टूबर 2026। भारतीय वायुसेना के 94 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वाराणसी के नमो घाट पर आयोजित मेगा एयर शो 'विंग्स ओवर गंगा' के दूसरे दिन शनिवार को आसमान में शौर्य, साहस और रोमांच का अद्भुत नजारा देखने को मिला। लड़ाकू विमानों की गर्जना और हैरतअंगेज हवाई करतबों से आसमान गुंज उठा। सारंग हेलीकॉप्टर टीम ने हवा में तिरंगा फॉर्मेशन बनाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। गंगा के दोनों किनारों पर स्थित घाटों पर जुटे लोगों ने तालियों और 'हर-हर महदेव' के उद्घोष के साथ वायुसेना के जांबाज पायलटों का उत्साह बढ़ाया। एयरशो की शुरुआत लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की गड़गड़ाहट के बीच हुई। सारंग हेलीकॉप्टर टीम ने आसमान में तिरंगे की आकृति बनाकर देशभक्ति का माहौल बना दिया। हेलीकॉप्टरों की सटीक उड़ान और पायलटों के शानदार तालमेल ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। टीम के इस प्रदर्शन की चर्चा सोशल मीडिया पर भी होती रही। इसके बाद सुखोई-30 एमकेआई और राफेल लड़ाकू विमानों ने



अपनी ताकत और फुर्ती का प्रदर्शन किया। तेज रफ्तार से उड़ान भरते विमानों की गर्जना से पूरा इलाका गूंज उठा। राफेल ने आसमान में चील की तरह गोता लगाते हुए रोमांचक करतब दिखाए। विमान की तेज गति, अचानक दिशा बदलने और ऊंचाई पर सटीक नियंत्रण देखकर दर्शक देर तक आसमान की ओर टकटकी लगाए रहे। चिलचिलाती धूप के बावजूद घाटों पर मौजूद लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, एयरशो में कुल 100 विमान

शामिल हुए। इनमें 52 लड़ाकू विमान, 15 परिवहन विमान, 32 हेलीकॉप्टर और एक ऐतिहासिक विमान शामिल है। इन विमानों ने देशभर के 12 वायुसेना अड्डों से उड़ान भरी, जिनमें चेन्नई के निकट स्थित अरक्कोपम का नौसैनिक अड्डा भी शामिल रहा। प्रदर्शन के दौरान कुल 25 विमान फॉर्मेशन के जरिये भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमता, तकनीकी दक्षता और आपसी समन्वय का प्रदर्शन किया गया। सुखोई-30 एमकेआई, राफेल, जगुआर, मिग-29, तेजस और मिग-29 जैसे लड़ाकू

घोषा मोदी अजय वाराणसी में वायुसेना का हवाई प्रदर्शन देखेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज उत्तर प्रदेश और ओडिशा के दौर पर जाएंगे। इस दौरान वह वाराणसी में एक नए वस्त्र विनिर्माण केंद्र का उद्घाटन करने के साथ भारतीय वायुसेना के हवाई प्रदर्शन को देखेंगे। इसके बाद वह भुवनेश्वर में भारतीय रिजर्व बैंक के नवनिर्मित डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि मोदी सुबह करीब 11 बजे वाराणसी में अरविंद लिमिटेड के नए वस्त्र विनिर्माण केंद्र का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह दोपहर करीब एक बजे नमो घाट पर आयोजित वायुसेना दिवस हवाई प्रदर्शन-2026 में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वाराणसी में स्थापित नया विनिर्माण केंद्र देश के वस्त्र और परिधान उद्योग को मजबूत करने के साथ क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगा।

विमान एयरशो के प्रमुख आकर्षण रहे। इसके अलावा तीन एमआई-17 वी-5 हेलीकॉप्टरों सहित विभिन्न हेलीकॉप्टरों ने भी अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

राहुल से कारोबारी बोले...1 नवंबर को रेली न करें दिल्ली में 10 हजार करोड़ का नुकसान होगा, पिछले दिवाली सीजन 75,000 करोड़ बिक्री का अनुमान

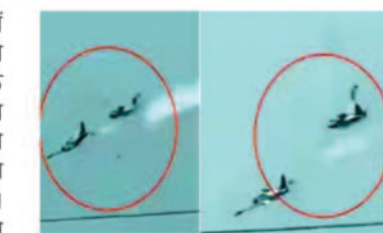
नई दिल्ली, 24 अक्टूबर 2026। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से इंडिया ब्लाक की रेली टालने की अपील की है। सीटीआई ने शनिवार को लेटर लिखकर कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रेली 10 नवंबर के बाद की जाए। संगठन ने दिवाली फेस्टिवल सीजन में 10 हजार करोड़ रुपए के व्यापारिक नुकसान की चेतावनी दी है। दरअसल, 1 नवंबर को रामलीला मैदान में एसआईआर और ज्ञानेश कुमार के विरोध में इंडिया ब्लाक की रेली है। रामलीला मैदान के 5 किमी के दायरे में चांदनी चौक और कर्नाट प्लेस समेत 8 बड़े बाजार हैं। व्यापारी संगठन के मुताबिक, 2025 में इन बाजारों में दिवाली पर त्योहारी बिक्री 75,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई थी।



- व्यापारी बोले...दिवाली व्यापार का पीक सीजन**
- दिवाली व्यापार का पीक सीजन : व्यापारियों ने कहा...धनतेरस, दीपावली और भैया दूज के दौरान दिल्ली में लगभग 25 हजार करोड़ रुपए का बड़ा कारोबार होता है।
 - पहले हुआ नुकसान : दावा किया गया कि रैलियों और रास्ते बंद होने से दिल्ली के व्यापारियों को अक्टूबर में पहले ही लगभग 3 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।
 - प्रमुख बाजारों पर असर : कारोबारियों ने कहा- रामलीला मैदान के 5 किमी के दायरे में चांदनी चौक और सदर बाजार जैसे 20 बड़े बाजार हैं, जहां ट्रैफिक डायवर्जन व बैरिकेडिंग से कामकाज ठप हो सकता है।
 - बाहरी खरीदारों को परेशानी : व्यापारियों ने कहा...नई दिल्ली और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पास होने के कारण बाहर से आने वाले लाखों खरीदारों व व्यापारियों की आवाजाही प्रभावित होगी।

फिलीपींस में बड़ा हादसा : एयर बेस पर ट्रेनिंग के दौरान टकराए 2 विमान, 4 पायलटों की हुई मौत

मनीला, 24 अक्टूबर 2026। फिलीपींस में राजधानी मनीला के दक्षिण में स्थित फर्नांडो एयर बेस पर शुक्रवार को ट्रेनिंग उड़ान के दौरान दो एसएफ-260 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गए। हादसे में चार पायलटों की मौत हो गई। वायु सेना ने जांच पूरी होने तक इन विमानों की उड़ान पर रोक लगा दी है। फिलीपीन वायु सेना के दो ट्रेनर विमान राजधानी मनीला के दक्षिण में स्थित एक एयर बेस पर ट्रेनिंग उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें चार पायलटों की मौत हो गई। यह जानकारी सेना ने शनिवार को दी।



ने दुर्घटना के कारणों की जांच पूरी होने तक अपने सभी एसएफ-260 ट्रेनर विमानों की उड़ान पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। मई में, उत्तरी फिलीपींस के पलद्वाइ इलाके में एक एसएफ-260 ट्रेनर विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो पायलटों की मौत हो गई थी। इसके अलावा, 2023 में भी एक ट्रेनिंग उड़ान के दौरान एसएफ-260 टीपी मार्केटी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें दो पायलट मारे गए थे। साल 2017 में, जब इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकवादियों ने दक्षिणी मारावी शहर पर कब्जा कर लिया था, तब सेना ने वहां कई महीनों तक हवाई हमले करने के लिए एसएफ-260 विमानों का इस्तेमाल किया था।

सीकर, 24 अक्टूबर 2026। राजस्थान के चूरू जिले के सादुलपुर क्षेत्र में शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों समेत छह लोगों की मौत हो गई। हादसा दरदेवा गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। ट्रकवर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।



कार में सवार लोगों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। जानकारी के अनुसार, हनुमानगढ़ जिले के तारानगर क्षेत्र के सोमनसीसर गांव का एक परिवार गोगामेड़ी मंदिर में दर्शन करने जा रहा था। शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे सादुलपुर क्षेत्र में दरदेवा गांव के पास उनकी कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रकवर के समय जोरदार धमाका हुआ। हादसे में कार सवार छह लोगों की मौतें पर ही मौत हो गई, जबकि सात माह की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई।

कार में फंसे लोगों को निकालने में हुई मशक्कत : हादसे की सूचना मिलते ही

की बात भी सामने आई। मृतकों में एक ही परिवार के पांच सदस्य और कार का चालक शामिल बताया गया है।

सोमनसीसर गांव में शोक

एक ही परिवार के कई सदस्यों की मौत की खबर से सोमनसीसर गांव सहित आसपास के क्षेत्र में शोक छा गया। परिवार के सदस्य गोगामेड़ी मंदिर में दर्शन करने के लिए निकले थे, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने उनकी जिंदगी खत्म कर दी। ग्रामीणों ने घटना पर दुख जताते हुए सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। हादसे के कारणों और मृतकों की पहचान के संबंध में विस्तृत जानकारी पुलिस जांच के बाद स्पष्ट हो सकती है।

रेल मंत्री ने सतना-देवेन्द्र नगर एवं रीवा-चुरहट रेल लाइन का किया वर्चुअली उद्घाटन विन्ध्य-बुंदेलखंड के लिए नई लाइफलाइन बनेगी रेल कनेक्टिविटी : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

भोपाल, 24 अक्टूबर 2026। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि विन्ध्य और बुंदेलखंड के लिए नई लाइफ लाइन बनने का दिन है। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले इन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इससे क्षेत्र के नागरिकों का वर्षों पुराना सपना पूरा हो रहा है। रेल मंत्री वैष्णव शनिवार को नई दिल्ली से मध्य प्रदेश के सतना जिले में सतना-देवेन्द्र नगर एवं रीवा-चुरहट रेल लाइन का उद्घाटन कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के विभिन्न हिस्सों को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने और रेल सुविधाओं के विस्तार का कार्य किया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि सतना, देवेन्द्र नगर, रीवा और चुरहट सहित आसपास के क्षेत्रों को इस रेल सुविधा का लाभ मिलेगा। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से विन्ध्य और बुंदेलखंड में औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा और क्षेत्र में नए औद्योगिक कॉरिडोर के विकास की संभावनाएं बढ़ेंगी।



उन्होंने कहा कि रेल सुविधाओं के विस्तार से चिकित्सा सहित अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये के रेलवे प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। प्रदेश के विभिन्न रेलवे स्टेशनों के विकास और यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। खजुराहो, ग्वालियर सहित अनेक स्टेशनों पर विकास कार्य जारी हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मध्य प्रदेश में लंबी और छोटी दूरी की 100 से अधिक रेल

सेवाएं शुरू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। आने वाले वर्षों में कई मेमू रेल गाड़ियां मध्य प्रदेश में प्रारंभ की जाएंगी। वैष्णव ने कहा कि विरध धरोहर खजुराहो में भव्य रेलवे स्टेशन बन रहा है। ग्वालियर स्टेशन की भव्यता ऐसी होगी कि कई एयरपोर्ट इससे पीछे नजर आएंगे। आज भारतीय रेलवे देश के नागरिकों के प्रति श्रद्धा और कर्तव्यभाव के साथ अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वर्चुअली सतना-देवेन्द्र नगर एवं रीवा-चुरहट रेल लाइन का उद्घाटन किया। साथ ही देवेन्द्र नगर-चुरहट ट्रेन

सेवा को भी हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मोहन सतना में आयोजित कार्यक्रम में भार जिले के सरदारपुर से वर्चुअली शामिल हुए। इस अवसर पर नागौद एवं चुरहट रेलवे स्टेशन पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुभारंभ कार्यक्रम को वर्चुअली सम्वोधित करते हुए कहा कि आज विन्ध्य और बुंदेलखंड के लिए रेलवे की नई सीमागत का दिन है। यह रेल परियोजना मध्य प्रदेश को विकास के नए दौर में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

भाजपा ने झारखंड बनाया, अब उसे संवारने की जिम्मेदारी भी हमारी : नितिन नवीन

रांची, 24 अक्टूबर 2026। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि जिस झारखंड राज्य की स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी, उसे अब संवारने की जरूरत है। भाजपा ने झारखंड का निर्माण किया है और अब उसे संवारने की जिम्मेदारी भी भाजपा ही निभाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और राज्य में पार्टी की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ काम करने का आह्वान किया। नितिन नवीन शनिवार को रांची के सुकुरुहुट स्थित हवेली बैंकवेट हॉल में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने झारखंड से अपने आत्मीय संबंधों, राज्य गठन के इतिहास, संगठन की राजनीतिक संभावनाओं, केंद्र सरकार की उपलब्धियों और राज्य की गठबंधन सरकार की कार्यप्रणाली पर विस्तार से विचार रखे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन कांग्रेस

और राहुल गांधी इस विकास यात्रा में बाधा डालने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश में असुरक्षा फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। नितिन नवीन ने दावा किया कि इन प्रयासों को देश के भीतर और बाहर कुछ तत्वों का समर्थन मिल रहा है। इसके



बावजूद देश की जनता का विश्वास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बना हुआ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से नए उत्साह और ऊर्जा के साथ जनता के बीच जाने तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की राजनीति केवल विधानसभा चुनावों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। संगठन की वास्तविक ताकत गांव, पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर जनता के बीच उसकी सक्रिय मौजूदगी से तय होती है।

बावजूद देश की जनता का विश्वास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बना हुआ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से नए उत्साह और ऊर्जा के साथ जनता के बीच जाने तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की राजनीति केवल विधानसभा चुनावों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। संगठन की वास्तविक ताकत गांव, पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर जनता के बीच उसकी सक्रिय मौजूदगी से तय होती है।

नेहा बोरा बोली...पीस बॉन्ड साइन नहीं करूंगी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने जवाब दाखिल के लिए समय दिया

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर 2026। ऑल इंडिया स्ट्रट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष नेहा बोरा शनिवार को स्पेशल एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट पहुंचीं। स्पेशल एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पुलिस को नेहा बोरा के वकील को संबोधित दस्तावेज सौंपने का निर्देश दिया। कोर्ट ने उनके वकील को जवाब दाखिल करने के लिए समय भी दिया। कोर्ट ने जाने से पहले नेहा ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है। वे 10 हजार का पीस बॉन्ड साइन नहीं करेंगी। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक दिन पहले पुलिस के नोटिस

को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी। संविधान हमें विरोध करने का अधिकार देता है, लेकिन शांति भंग करने के नाम पर लोगों को हिरासत में लिया जाता है। पीस बॉन्ड का इस्तेमाल शांतिपूर्ण प्रदर्शन रोकने के लिए हो रहा है।

प्रदर्शन के दौरान आम लोगों ने कोई गलत काम नहीं किया। पुलिस ने लाठियां चलाईं, महिलाओं के कपड़े फाड़े और पत्रकारों के साथ भी मारपीट की। अगर शांति भंग हुई है, तो इसके लिए पुलिस का व्यवहार जिम्मेदार है, प्रदर्शन नहीं।

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर 2026। केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही लोकभवन में मांसाहारी खाना बनाने और परसेने पर रोक लगा दी। कांग्रेस और विपक्षी CPI(M) ने इस फैसले की आलोचना की। कांग्रेस ने कहा कि क्या अब राज्यपाल तय करेंगे कि क्या खाना है। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि माथुर शाकाहारी हैं। इसी वजह से उन्होंने यह बदलाव कराया। सूत्रों ने साफ किया कि लोकभवन के कर्मचारियों के खाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई

केरलम राज्यपाल ने पद संभालते ही लोकभवन में नॉनवेज रोका कांग्रेस बोली...क्या खाना है, यह लोग तय करेंगे, राज्य में 97% लोग मांसाहारी



है। माथुर ने केरलम के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस

सीमेन सेन ने उन्हें पद की शपथ दिलाई थी। केरलम में 97% लोग मांसाहारी हैं। देश में सबसे ज्यादा नॉन-वेज खाने वाले लोग तेलंगाना में हैं। AICC महासचिव और अलपुझा लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सिर्फ शाकाहारी खाना बनाने का निर्देश देकर राज्यपाल ने हद पार कर दी है। उन्होंने कहा कि केरलम की खान-पान की संस्कृति अलग है। तटीय राज्य होने के कारण यहां मछली भी बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। राज्य के लोग शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने के लिए स्वतंत्र हैं।

डिजिटल बैंकिंग में भरोसे का संकट

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के लगभग चार हजार ग्राहकों की निजी जानकारी जैसे कि नाम,मोबाइल नंबर, जन्मतिथि,ईमेल,आवासीय पता,ग्राहक पहचान संख्या और ऋा से जुड़े विवरण डकं वेब पर सामने आने की खबर ने देश की बैंकिंग व्यवस्था के सामने एक गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है। जिस बैंक पर करोड़ों लोग अपनी जीवनभर की बचत के लिए भरोसा करते हैं, यदि उसके ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित नहीं रह पाती तो डिजिटल बैंकिंग पर लोगों का विश्वास कैसे बना रहेगा? यह घटना केवल तकनीकी सुरक्षा से जुड़ा मामला नहीं है। इसका सीधा संबंध ग्राहकों की गोपनीयता,वित्तीय सुरक्षा और बैंकों की जवाबदेही से है। व्यक्तिगत जानकारी का दुरुपयोग भविष्य में वित्तीय धोखाधड़ी का कारण बन सकता है। किसी साइबर अपराधी के पास ग्राहक का नाम, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि और ऋण आवेदन का विवरण हो तो वह बैंक अधिकारी बनकर विश्वास हासिल करने का प्रयास कर सकता है। वह ग्राहक को ऋण स्वीकृति,क्रेडिटसी अपडेट या खते की सुरक्षा के नाम पर धोखा दे सकता है। इस प्रकार निजी जानकारी की चोरी अधिक नुकसान का रास्ता खोल सकती है। आज बैंक केवल जमा और ऋा देने वाले संस्थान नहीं रह गए हैं। उनके पास ग्राहकों की आय,संपत्ति,व्यवसाय,पारिवारिक विवरण,लेनदेन और वित्तीय व्यवहार से जुड़ी व्यापक जानकारी रहती है। यह जानकारी बैंकिंग सेवाओं को सुविधाजनक बनाती है,लेकिन इसके गलत हाथों में पहुंचने की कीमत बहुत अधिक हो सकती है। दूसरे देशों का अनुभव हमारे लिए उपयोगी सबक प्रस्तुत करता है। अमेरिका में 2019 में कैपिटल वन बैंक से जुड़ी एक बड़ी डाटा चोरी सामने आई थी।

इससे अमेरिका के लगभग 10 करोड़ और कनाडा के लगभग 60 लाख लोग प्रभावित हुए थे। इससे स्पष्ट होता है कि साइबर सुरक्षा में कमजोरी को केवल तकनीकी चूक मानकर अनदेखा नहीं किया जा सकता। बैंक प्रबंधन की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यूरोपीय संघ ने व्यक्तिगत डाटा की सुरक्षा के गंभीर जोखिम वाले डाटा उल्लंघन की सूचना नियामक को सामान्यतः 72 घंटे के भीतर देने की व्यवस्था की है। तकनीकी सेवाएं किसी बाहरी कंपनी को सौंप देने से बैंक की जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती। सिंगापुर ने भी फिशिंग धोखाधड़ी के कुछ निर्धारित मामलों में बैंकों और दूसरंचार कंपनियों की साझा जिम्मेदारी तय करने वाला ढांचा विकसित किया है। इसका उद्देश्य केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि वित्तीय संस्थानों को धोखाधड़ी रोकने के लिए अधिक जिम्मेदार बनाना है। भारत ने डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 और 2025 में अधिसूचित नियमों के माध्यम से महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हालांकि डाटा उल्लंघन की सूचना देने सहित कई प्रमुख प्रावधानों का लागू होना अभी शेष है। अब आवश्यकता इसकी है कि नियामकीय रिपोर्टिंग के साथ प्रभावित ग्राहक को भी समय रहते उपयोगी जानकारी मिले। सबसे पहला सुधार ग्राहकों को सूचना देने की व्यवस्था में होना चाहिए। प्रत्येक बैंक को संभावित डाटा उल्लंघन की पुष्टि होने पर प्रभावित ग्राहकों को व्यक्तिगत रूप से सूचित करना चाहिए। उन्हें बताया जाए कि इससे क्या खतरा हो सकता है और ग्राहक को किन सावधानियों की आवश्यकता है। स्वतंत्र साइबर सुरक्षा परीक्षण होना चाहिए। बैंक नियमित रूप से बाहरी विशेषज्ञों से अपने डिजिटल सिस्टम की जांच कराएं।

संवेदनशील जानकारी को सुरक्षित तकनीक से संरक्षित किया जाए और कर्मचारियों एवं सेवा प्रदाताओं को केवल आवश्यक डाटा तक ही पहुंच मिले। ऋण आवेदन और डिजिटल केवाईसी से जुड़े रिकार्ड के उपयोग, संग्रहण और निस्तारण की स्पष्ट नीति होनी चाहिए। किसी बाहरी एजेंसी की सुरक्षा में कमजोरी पाए जाने पर उसकी जिम्मेदारी भी तय हो। रिजर्व बैंक को बैंकों के लिए एक साझा साइबर घटना रिपोर्टिंग और सीखने की व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। इससे एक बैंक पर हुए हमले के अनुभव से दूसरे बैंक भी अपनी सुरक्षा मजबूत कर सकेंगे। बड़े डाटा उल्लंघन के बाद स्वतंत्र जांच का सार्वजनिक सारांश उपलब्ध कराया जाना चाहिए,जिसमें ग्राहकों की गोपनीयता बनाए रखते हुए घटना के कारण और सुधारात्मक कदम बताए जाएं। ग्राहकों को भी अनजान व्यक्ति को ओटीपी,यूआईपिन या इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड नहीं बताना चाहिए। सदितह लेनदेन होने पर तुरंत बैंक को सूचित करें और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। भारत ने डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन में उल्लेखनीय प्रगति की है। अब उसी गंभीरता से ग्राहकों की जानकारी और उनके अधिकारों की रक्षा करनी होगी। एसबीआई की घटना को किसी एक बैंक की प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाने के बजाय पूरे बैंकिंग क्षेत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखना चाहिए। लोगों ने बैंकों को केवल अपना पैसा नहीं सौंपा,अपनी पहचान और निजी जीवन से जुड़ी संवेदनशील जानकारी भी सौंपी है। बैंकिंग व्यवस्था की सफलता का पैमाना केवल मुनाफा या डिजिटल लेनदेन की संख्या नहीं,बल्कि ग्राहकों का विश्वास और उनकी जानकारी की सुरक्षा भी होनी चाहिए।

आचार्यश्री विद्यासागर जी : वे संसार में रहे,पर संसार उनमें कभी नहीं रहा

शरद की चाँदनी में तप का सूर्य

:आचार्यश्री विद्यासागर जी

नमन से अनुकरण तक : आचार्यश्री के जीवन का शाश्वत संदेश

शरद पूर्णिमा की चाँदनी एक प्रश्न छोड़ जाती है...क्या उज्ज्वल होना केवल चमकना है,या अपने त्याग से दूसरों का अंधकार हरना भी? 10 अक्टूबर 1946 की शरद पूर्णिमा की मध्याह्न में कर्नाटक के बेलगाँव जिले के सदलगा ग्राम में जन्मे विद्याधर ने अपने जीवन से इसका उत्तर दिया। वैभव के समु्मुख वैराग्य,स्वार्थ के सम्मुख परमाथ और भौतिक उपलब्धियों के सम्मुख आत्मविजय को प्रतिष्ठित करते हुए वे दिगंबर जैनाचार्य श्री 108 विद्यासागर

जी महाराज बने-जिनके व्यक्तित्व में चंद्रमा की शीतलता,हिमालय की ऊँचाई और महासागर की गहराई एकाकार थीं। शरद पूर्णिमा पर उनका स्मरण जन्मोत्सव भर नहीं,जीवन की कसौटी है-हमने कितना अर्जित किया, इससे नहीं,अपने होने से संसार को कितना समृद्ध किया,इससे हमारी सार्थकता तय होती है। शरद स्वार्थ संवेदना को निगलने लगे, तब संत का एक वाक्य भी पूरे युग का चरित्र उजागर कर देता है। आचार्यश्री कहते थे,कोन दु:खी है,कोन सुखी है, आज इसकी बात नहीं होती,आज तो अपने स्वार्थ की बात होती है यह कथन समाज के अंतर्मन पर खड़ा वह प्रश्न है, जिससे मुँह मोड़ना असान नहीं। भारतभूमि के प्रखर तपस्वी, आचार्य ज्ञानसागर के विद्यार्हस,प्रभु महावीर के संदेशवाहक,अहिंसा के आराधक, अनिघत विहारी,अध्यात्म-मर्मज्ञ, प्रवचन-प्रभाकर,शब्द-शिल्पी,अनुपम मेधावी, सिद्धांतगम के पारगामी, अयाचक वृत्ति के साधक कवि, चिंतक और विश्ववैद्य राष्ट्रसंत-विशेषणों की पूरी माला भी उनके विराट व्यक्तित्व की परिभाषित करने में अधूरी पड़ जाती है। आठ से अधिक भाषाओं के ज्ञाता और अनेक धर्मशास्त्रों के रचयिता होते हुए भी उनकी सर्वोच्च उपलब्धि ज्ञान का विस्तार नहीं,उसका जीवन में साक्षात् अवतरण था। उन्हें शब्दों में समेटना आकाश को मुट्ठी में बंधने जैसा है...वे किसी एक परिचय के नहीं, समूची मानवता की करुणा के संत थे।

जिस घर में संस्कार संकल्प बन जाएँ, वहीं त्याग जीवन की दिशा बन जाता है। पिता श्री महर्ष्या (मुनि मह्लिसागर) और माता श्रीमंती (आर्यिका समयमति) के घर जन्मे विद्याधर ने नौ वर्ष की आयु से ही धर्म के प्रति अनुराग दिखाया।

लेख एवं विचार अभिव्यक्ति

कलाकार हैं स्वान्द्रष्टा और शांतिपूर्ण भविष्य के शिल्पी

कला एवं कलाकार मानव सभ्यता की आत्मा है। यह वह अनंत भाषा है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने अंतरतम की संवेदनाओं, अन्भूति यों, विचारों और स्वप्नों को रूप, रंग, ध्वनि, शब्द, लय और भावों में अभिव्यक्त करता है। जब आदिम



ललित कर्मा ललित कर्मा पट्टपड़गंज, नाई दिल्ली

मानव-कलाकारों ने गुफाओं की दीवारों पर अपनी अनुभूतियों को चित्रित किया होगा, जब किसी कलाकार ने पथर को तराशकर उसमें आकृति का सौंदर्य खोजा होगा अथवा किसी ने प्रकृति की ध्वनियों से प्रेरित होकर पहली बार सूरों को साधा होगा, तभी से कला ने मानव जीवन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई होगी। कला की यात्रा वस्तुतः मानव चेतना के विकास, उसकी कल्पनाशीलता और उसकी संवेदनशीलता की यात्रा है। प्रत्येक वर्ष 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस इसी सृजनशील चेतना को सम्मान देने तथा समाज और सभ्यता के निर्माण में कलाकारों के योगदान को पहचानने का अवसर है। लेकिन इस दिवस की सार्थकता केवल कलाकारों का अभिनंदन करने,चित्रकला प्रदर्शनियों का आयोजन करने,संगीत समारोहों में भाग लेने अथवा कलाकृतियों की प्रशंसा करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। आज जब विश्व युद्धों की आशंकाओं, आतंकवाद,हिंसा,धार्मिक एवं वैचारिक टकराव, आर्थिक प्रतियर्था और महाशक्तियों के वर्चस्ववादी संघर्षों से घिरा हुआ है,तब कला और कलाकार की भूमिका पहले से कहीं अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रश्न यह है कि क्या मनुष्य की तकनीकी प्रगति, आर्थिक समृद्धि और सैन्य शक्ति उसे अधिक शांतिप्रिय बना सकी है? यदि नहीं,तो निश्चित रूप से हमें उस मानवीय

चेतना की ओर लौटना होगा,जो मनुष्य को केवल शक्तिशाली नहीं, बल्कि संवेदनशील,सहिष्णु और करुणाशील बनाती है। कला इसी चेतना का सबसे प्रभावशाली माध्यम है।

वर्तमान विश्व की विडंबना यह है कि एक ओर विज्ञान ने दूरियों को समाप्त कर दिया है,संचार के साधनों ने दुनिया को एक वैश्विक परिवार का स्वरूप दिया है और आर्थिक संबंधों ने राष्ट्रों को परस्पर निर्भर बनाया है;दूसरी ओर मनुष्यों के बीच अविश्वास,घृणा और संघर्ष की दीवारें भी ऊँची होती जा रही हैं। युद्धभूमियों में बिखरते परिवार, आतंकवाद की भेंट चढ़ते निर्दोष जीवन, विस्थापन की पीड़ा झेलते बच्चे और वर्चस्व की राजनीतों में कुचले जाते छोटे राष्ट्र इस प्रश्न को सामने रखते हैं कि विकास का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या विकास केवल ऊँची इमारतों,आधुनिक हथियारों,विशाल बाजारों और कुत्रिम बुद्धिमत्ता तक सीमित है,अथवा उसका वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के जीवन की सुरक्षित,सुंदर,स्वतंत्र और आनंदमय बनाना भी है? कला और कलाकार इस प्रश्न का उत्तर मनुष्य के हृदय में खोजते हैं। वे याद दिलाते हैं कि सभ्यता की महानता विनाश की क्षमता से नहीं,बल्कि सृजन, संरक्षण और सह-अस्तित्व की योग्यता से मापी जानी चाहिए।

राजनीति और कूटनीति जहाँ कई बार हितों,सीमाओं और शक्ति-संतुलन के गणित में उलझ जाती हैं,वहीं कला और कलाकार मनुष्य के साझा दुख और साझा आनंद को सामने लाती है। एक चित्रकार युद्ध से उजड़ें घर की तस्वीर बनाता है, तो उसमें किसी एक देश का नहीं,संपूर्ण भूमिका का दर्द दिखाई देता है। एक कवि संगीतकार जब करुणा से भरी धुन छेड़ता है,तो उसकी भाषा समझने के लिए किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं होती। किसी कवि की पंक्तियों में व्यक्त प्रेम,किसी नर्तकी की भाव-भंगिमा

शरद पूर्णिमा,उल्लास और जीवंतता का प्रतीक

शरद पूर्णिमा आश्विन शुक्ल की पूर्णिमा को ही मनाया जाता है।इस दिन चन्द्रमा का स्वरूप बहुत ही अद्भुत और सौंदर्य से युक्त सोलह कलाओं से दैदीय्यमान होता है। चन्द्रमा की दृधिया आभा पूरी प्रकृति जल-थल-नभ को प्रकाशवान कर देती है। सारा कण-कण और जड़,चैतन्य सा जान पड़ता है।धरती में एक नई ऊर्जा,चेतना,उत्साह,उमंग,और उल्लास छा जाता है।पूरी धरती जीवंत हो जाती है। ऐसे पावन अवसर पर शीतल-मंद-सुगन्ध हवाएं बहने लगती है।मौसम पूरी तरह से मनोरम हो जाता है। न बारिश,न गर्मी और न ही ठंड।प्रकृति का एक अद्भुत रूप उपस्थित हो जाता है। श्रिति,जल,गगन,समीर,तरु पुष्प,सभी मे शरद पूर्णिमा का प्रभाव स्पस्ट दिखाई देने लगता है। वन,उपवन,बाग-बगीचे,खेत-खलिहानो में हरी-भरी हरियाली सुंदर रं-बिरंगे फूल-कलियाँ,धरती की सुंदरता में चार-चांद लगा देते हैं।ताल-तलेया पोखर-सरोवर,दिदिता का जल,सुखादु और स्वच्छ हो जाता है। ऐसे समय में जल-थल-नभ की जीव जंतुएँ स्वच्छ जल में विचरण और अठ्ठलियाँ करते हुए दिखाई देने लगते हैं।



ऐसे पावन अवसर पर शरद पूर्णिमा का अवतरण होता है।यह अवसर है चन्द्रमा का परिवर्तनशील होकर अपने पूर्ण स्वरूप के साथ सोलह कलाओं से युक्त आश्विन पूर्णिमा की निशा में अवतीर्ण होना।ऐसे पूर्णिमा की रात में यह चन्द्रमा अपनी सोलह कलाएं यथा-आमृत,मंदा, पुरनामृत,ऊर्जा उमंग उत्साह के आभा को पूरे जल- थल-नभ सारी सृष्टि में प्रकाशित और प्रवाहित करता है। और इसे ही अमृत वर्षा कहा जाता है। वैसे इस सम्बंध में एक कथा भी आती है कि-इसी शरद पूर्णिमा में समुद्र मंथन हुआ था जिसमे चन्द्रमा,दुर्गा,लक्ष्मी,धन्वन्तरि, अमृत,विष,का प्रदुर्भाव हुआ था।इसी दिन भगवान विष्णु और लक्ष्मी माता का

विवाह भी हुआ।और इसी शरद पूर्णिमा में योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण ने राधे सहित गोपियों सँग महारास की लीला रचाई थी।ऐसी मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात में चन्द्रमा की किरणों में ओस के साथ अमृत की बरसात होती है।इसी कारण इस रात में जन-मानस खीर बनाकर घर के छत में टांगते है, और फिर उसे धन्वन्तरि का प्रसाद स्वरू ग्रहण करते हैं।और इस प्रसाद से शारीरिक व्याधियां दूर होती है। तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है। दूसरी मान्यता यह भी है कि मनुष्य का जीवन भी चन्द्रमा की सोलह कलाओं के समान परिवर्तन शील होती है।मनुष्य के मन को भी चन्द्रमा के समान माना गया है जो हमेशा घटती-बढ़ती रहती है।और अंत में जब वह देहा का त्याग करता है तो वही प्रकाश में विलीन हो जाता है जिसे मोक्ष की प्राप्ति कहा गया है।

इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि शरद पूर्णिमा उल्लास,उमंग,और जीवंतता का प्रतीक है जो हमारे जीवन मे एक नई चेतना और ऊर्जा का संचार करता है।

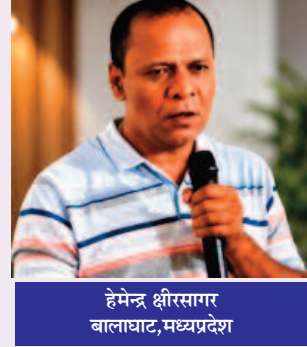
अशोक पटेल आशु शिवारोनारायण,छत्तीसगढ़

जीवन-दर्शन,आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता से भी रहा है। यहाँ संगीत साधना है,नृत्य भावों की अभिव्यक्ति है,साहित्य लोकमंगल की चेतना है और लोककला समुदायों की स्मृति एवं पहचान का जीवंत दस्तावेज है। जैन दर्शन का अहिंसा और अनेकता का संदेश भी हमें सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दृष्टियों की विविधता का सम्मान आवश्यक है। अनेकांत की भावना कला की प्रकृति से मेल खाती है, क्योंकि एक ही दृष्य, घटना अथवा अनुभूति को अलग-अलग कलाकार भिन्न दृष्टिकोणों से अभिव्यक्त कर सकते हैं। इन विविध अभिव्यक्तियों को स्थान देना संवाद,सहिष्णुता और सह-अस्तित्व को मजबूत करता है। इसके बावजूद आज कलाकारों के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं। बाजार का दबाव कई बार कला को केवल लाभ और लोकप्रियता की कसौटी पर परखता है। वरित प्रसिद्धि की चाह,अभिव्यक्ति पर अनुचित प्रतिबंध,सांस्कृतिक असहिष्णुता और रचनात्मक स्वतंत्रता के प्रति संदेह कलाकार की संभावनाओं को सीमित कर सकते हैं। डिजिटल माध्यमों ने सृजन के अवसर बढ़ाए हैं,लेकिन सतही लोकप्रियता की प्रतियर्था ने गंभीर कलात्मक अभिव्यक्ति के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। कलाकार का सम्मान केवल पुरस्कार देकर या उसकी रचना की प्रशंसा करके पूरा नहीं होता; उसे स्वतंत्र अभिव्यक्ति,गरिमापूर्ण आजीविका,उचित पारिश्रमिक और सुस्थित रचनात्मक वातावरण उपलब्ध करना भी आवश्यक है। साथ ही कलाकारों का दायित्व है कि वे अपनी स्वतंत्रता का उपयोग समाज में घृणा फैलाने के बजाय विवेक,संवेदना और संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए करें। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस हमें इस दिशा में सामूहिक संकल्प लेने का अवसर देता है। विशेष रूप से नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि सृजनशीलता

का सर्वोच्च उपयोग केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं,बल्कि समाज को अधिक न्यायपूर्ण,सुंदर और मानवीय बनाने में है। वास्तव में कला मनुष्य को यह विश्वास दिलाती है कि विनाश के अंधकार के बीच भी सृजन का दीप जलया जा सकता है। वह हमें सिखाती है कि जीवन का सौंदर्य दूसरों को पराजित करने में नहीं,उनके साथ मिलकर जीने में है; मित्रता का अर्थ केवल समान विचारों वालों से निकटना नहीं,बल्कि भिन्नताओं के बावजूद सम्मान बनाए रखना है; और शांति का अर्थ केवल युद्ध का अभाव नहीं, बल्कि स्वतंत्रता,करुणा और परस्पर विश्वास की उपस्थिति भी है। कलाकार अपने रंगों, स्वरों,शब्दों, मुद्राओं और कल्पनाओं से ऐसे विश्व की तस्वीर रच सकते हैं,जिसमें मनुष्य की पहचान उसकी जाति,भाषा,धर्म या राष्ट्रीयता से पहले उसकी मानवीय गरिमा से हो।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि जहाँ हथियार भय पैदा करते हैं,वहाँ कला विश्वास जगाती है;जहाँ घृणा मनुष्यों को बाँटती है, वहाँ सृजन उन्हें जोड़ता है;और जहाँ युद्ध जीवन को उजाड़ते हैं, वहाँ कला जीवन को फिर से सुंदर बनाने का स्वप्न देती है। आज विश्व को केवल शक्तिशाली सेनाओं,समृद्ध अर्थ व्यवस्थाओं और आधुनिक तकनीकों की ही आवश्यकता नहीं,बल्कि ऐसे संवेदनशील कलाकार हृदयों की भी आवश्यकता है,जो शांति को जीवन का आदर्श बना सकें। कलाकार मानवता के ऐसे ही स्वप्नदृष्टा और भविष्य के शिल्पी हैं। उनके सृजन को सम्मान देना वस्तुतः मनुष्यता के उज्ज्वल भविष्य का सम्मान करना है। जब कला जीवन का उत्सव बनेगी, संवेदना सामाजिक संस्कार बनेगी और सह-अस्तित्व वैश्विक जीवन-दृष्टि बनेगा, तभी पृथ्वी युद्धों की आशंकाओं से मुक्त होगी शांति,मैत्री,अहिंसा और सौंदर्य की साझा धरती बन सकेगी।

दीवान बहादुर एम एम मुलना : लोकसेवा और दानशीलता की अमिट विरासत



हेमन्त खीरसागर बालाघाट,मध्यप्रदेश

किसी पीड़ित व्यक्ति को देखकर दुःखी होना संवेदनशीलता का परिचायक है,किंतु उसके दुःख को दूर करने के लिए आगे बढ़ना ही सच्ची मानवता है। परोपकार की सार्थकता केवल सद्भावना व्यक्त करने में नहीं, बल्कि अपने सामर्थ्य और संसाधनों को दूसरों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए समर्पित करने में निहित है। दीवान बहादुर मानेकजी मेरवानजी मुलना का जीवन इसी मानवीय दर्शन का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने अपनी संपत्ति को निजी वैभव का साधन बनाने के बजाय जनकल्याण के लिए समर्पित किया। अपनी कर्मभूमि बालाघाट को ऐसी विरासत दी, जिसकी प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है।

बालाघाट से आत्मीय जुड़ाव
दीवान बहादुर एम एम मुलना का जन्म 25 अक्टूबर 1868 को बंबई के एक पारसी परिवार में हुआ था। उन्होंने नागपुर के मॉरिस कॉलेज से वर्ष 1891 में एएए और 1892 में विधि की उपाधि प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्हें अतिरिक्त सहायक आयुक्त नियुक्त किया गया। प्रशासनिक सेवा के दौरान बालाघाट से उनका जुड़ाव हुआ,जो आगे चलकर आजीवन समर्पण में परिवर्तित हो गया। उन्होंने बालाघाट को अपनी कर्मभूमि बनाया और यहीं जीवन बिताते का नियंत्रित किया। आजीवन अविवाहित रहे मुलना साहब ने अपना समय, साधन्य और संपत्ति समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर दी। बालाघाट जिले में डिस्ट्रिक्ट कार्सिल की स्थापना के बाद वे लगभग 35 वर्षों तक उसके अध्यक्ष निर्वाचित होते रहे। उनकी सार्वजनिक सेवाओं के लिए उन्हें खान बहादुर की मानद उपाधि प्रदान की गई। जिसे बाद में दीवान बहादुर के रूप में परिवर्तित किया गया।

जनहित के लिए समर्पित
मुलना साहब की दानशीलता का महत्व केवल उनकी उदारता तक सीमित नहीं था। आचार्यश्री का तत्प त्याग की मशाल,चिंतन चेतना का शंखनाद और जीवन आत्मविजय का उद्घोष है। शरद पूर्णिमा की चाँदनी ढल जाएगी, समय बदल जाएगा,किंतु उनका त्याग तभी सार्थक होगा,जब मनुष्य अपने भीतर के स्वार्थ को परास्त कर मानवता को विजयी बनाएगा।

प्रो. आरके जैन अरिजीत बड़वानी,मध्यप्रदेश

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटीक छवें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटार अंबिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक



1954-55 के रिकॉर्ड में खसरा ही नहीं... फिर कैसे निजी हो गई सरकारी जमीन?

मैनपाट में सरकारी जमीन की कथित हेराफेरी पर बड़ा एक्शन, पांच के खिलाफ एफआईआर का आदेश

राजस्व रिकॉर्ड में कूटरचना कर सरकारी जमीन निजी नाम पर दर्ज कराने का आरोप, कलेक्टर ने दिया एफआईआर का आदेश

केसरा की 3.46 हेक्टेयर जमीन पर विवाद: शिकायतकर्ता आलोक दुबे की शिकायत के बाद प्रशासन सख्त...

सरकारी जमीन की रजिस्ट्री पर प्रशासन का शिकंजा, पांच क्रेता-विक्रेताओं के खिलाफ एफआईआर की तैयारी

तज्ज्ञ अभिलेखों में कथित फर्जीबद्ध आकृति, सरकारी भूमि की अवैध प्रविष्टि हटाने के निर्देश

मैनपाट में 3.46 हेक्टेयर शासकीय भूमि की कथित कूटरचना का मामला, आजाद इराकी समेत 5 के खिलाफ एफआईआर के निर्देश

1954-55 के अधिकार अभिलेख में खसरा नंबर 1378 का अस्तित्व नहीं, फिर निजी नाम पर कैसे दर्ज हुई जमीन?

शिकायतकर्ता आलोक दुबे की शिकायत और तहसीलदार की जांच के बाद कलेक्टर की कार्रवाई, तज्ज्ञ रिकॉर्ड से कथित अवैध प्रविष्टि हटाने के भी निर्देश

—न्यूज डेस्क—

अंबिकापुर, 24 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

सरकारी जमीन को राजस्व अभिलेखों में कथित कूटरचना के जरिए निजी संपत्ति के रूप में दर्ज कराने और बाद में उसकी रजिस्ट्री किए जाने का मामला सरगुजा जिले में गंभीर प्रशासनिक कार्रवाई के स्तर तक पहुंच गया है, मैनपाट तहसील के ग्राम केसरा स्थित 3.460 हेक्टेयर शासकीय भूमि से जुड़े इस प्रकरण में कलेक्टर सरगुजा ने आजाद इराकी सहित कुल पांच क्रेता-विक्रेताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश तहसीलदार मैनपाट को दिए हैं, साथ ही राजस्व अभिलेखों में की गई कथित अवैध प्रविष्टि को विलोपित करने के लिए भी संबंधित राजस्व अधिकारी को निर्देशित किया गया है। इस मामले को सामने लाने वाले शिकायतकर्ता आलोक दुबे ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि ग्राम केसरा की शासकीय भूमि, खसरा नंबर 1378, रकबा 3.460 हेक्टेयर को

1954-55 के रिकॉर्ड में नहीं था खसरा नंबर 1378

इस पूरे प्रकरण का सबसे अहम पहलू वर्ष 1954-55 का अधिकार अभिलेख है, तहसीलदार मैनपाट के जांच प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 1954-55 के अधिकार अभिलेख का अंतिम खसरा नंबर 650 था, ऐसे में उस समय के अधिकार अभिलेख में खसरा नंबर 1378 की प्रविष्टि होने का सवाल ही नहीं उठता, जांच प्रतिवेदन के अनुसार, खसरा नंबर 1378 एक रिनबर्गिंग खसरा है, जो पहली बार वर्ष 1995-96 के राजस्व दस्तावेजों में सामने आया, इससे पहले के रिकॉर्ड में इस नंबर की प्रविष्टि नहीं होने का उल्लेख जांच में किया गया है, शिकायतकर्ता आलोक दुबे ने इसी तथ्य को आधार बनाते हुए आरोप लगाया था कि पुराने अधिकार अभिलेख में बाद में कूटरचना कर खसरा नंबर 1378 की जमीन को विजय सिंह पिता चंद्रचरण सिंह के नाम दर्ज कराया गया, जांच प्रतिवेदन में भी वर्ष 1954-55 के अधिकार अभिलेख और बाद की प्रविष्टियों के बीच अंतर को महत्वपूर्ण माना गया है, यदि किसी भूमि का खसरा नंबर संबंधित समय के मूल अधिकार अभिलेख में मौजूद हो नहीं था, तो बाद में उसी अभिलेख के आधार पर निजी स्वामित्व का दावा कैसे तैयार हुआ? प्रविष्टि किस दस्तावेज के आधार पर की गई और उसे प्रमाणित किसने किया? ये ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब अब पुलिस विवेचना और संबंधित राजस्व रिकॉर्ड की विस्तृत जांच से सामने आना है।

राजस्व अधिकारियों-कर्मचारियों की कथित मिलीभगत से अभिलेखों में कूटरचना कर निजी भूमि के रूप में दर्ज करा लिया गया, शिकायत में यह भी कहा गया कि इसके बाद भूमि का विक्रय कर दिया गया। आलोक दुबे ने कलेक्टर से पूरे मामले की जांच कराने, जमीन को शासकीय घोषित करने और कथित अनियमितता में शामिल लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की थी, शिकायत पर तहसीलदार मैनपाट से जांच प्रतिवेदन मांगा गया, प्रशासनिक जानकारी के अनुसार, जांच में पुराने अधिकार अभिलेख और बाद के राजस्व दस्तावेजों के बीच महत्वपूर्ण अंतर सामने आया, इसी आधार पर कलेक्टर ने प्राथमिकी दर्ज कराने तथा राजस्व रिकॉर्ड में सुधार की कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, अब यह मामला केवल जमीन के स्वामित्व के विवाद तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि राजस्व अभिलेखों की विश्वसनीयता और शासकीय संपत्ति की सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल भी खड़े कर रहा है।

1995-96 के बंदोबस्त में भी शासकीय भूमि के रूप में दर्ज थी जमीन—जांच प्रतिवेदन में वर्ष 1995-96 के बंदोबस्त रिकॉर्ड का भी उल्लेख किया गया है, इसके अनुसार, खसरा नंबर 1378, रकबा 3.460 हेक्टेयर भूमि छोटे झाड़ के जंगल यानी शासकीय मद में दर्ज थी, प्रतिवेदन में यह भी उल्लेख है कि संबंधित भूमि खसरा नंबर

576 से निर्मित हुई थी, पुराने सेटलमेंट रिकॉर्ड में खसरा नंबर 576, रकबा 84.38 एकड़, गोचर यानी शासकीय मद में दर्ज होने की बात कही गई है, इसके बाद वर्ष 1995-96 के बंदोबस्त में खसरा नंबर 1378 को छोटे झाड़ के जंगल की श्रेणी में दर्ज किए जाने का उल्लेख है, यह विवरण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि शिकायत का मूल आधार ही यह है कि शासकीय मद में दर्ज जमीन को कथित रूप से निजी भूमि के रूप में दिखाया गया, यदि पुराने और बंदोबस्त अभिलेखों में जमीन का स्वरूप शासकीय पाया जाता है, तो बाद की निजी प्रविष्टियों का आधार, उनकी वैधता और उन्हें दर्ज करने की प्रक्रिया की जांच आवश्यक हो जाती है, इस मामले में अब संबंधित मूल अभिलेखों, खसरा पंचशाला, अधिकार अभिलेख, बंदोबस्त रिकॉर्ड और नामांतरण से जुड़े दस्तावेजों का मिलान जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

विजय सिंह के नाम प्रविष्टि से लेकर रजिस्ट्री तक की कड़ी जांच के घेरे में—प्रशासनिक जांच प्रतिवेदन के मुताबिक,

संबंधित जमीन को विजय सिंह पिता चंद्रचरण सिंह के नाम दर्ज किए जाने के बाद उसके विक्रय से संबंधित दस्तावेज सामने आए, शिकायत और जांच में दिलीप चिकवा तथा तुलेश्वर गुप्ता का नाम मुख्तार आम के रूप में उल्लेखित है, उपलब्ध प्रशासनिक विवरण के अनुसार, 20 सितंबर 2022 को भूमि की रजिस्ट्री आजाद इराकी पिता रियाजुद्दीन इराकी और अनुपम कुमार सिंह के पक्ष में किए जाने का उल्लेख है, इसके बाद तहसीलदार मैनपाट ने 6 अक्टूबर 2022 को नामांतरण निरस्त कर दिया था, जांच प्रतिवेदन में 1 मई 2024 को पावर ऑफ अटॉर्नी से संबंधित दस्तावेज निष्पादित किए जाने का भी उल्लेख है, इस घटनाक्रम से भूमि के कथित

नामांतरण निरस्त होने के बावजूद जमीन के दस्तावेजों पर उठे सवाल...

जांच प्रतिवेदन में उल्लेख है कि भूमि की रजिस्ट्री से संबंधित प्रक्रिया के बाद तहसीलदार मैनपाट ने 6 अक्टूबर 2022 को नामांतरण निरस्त कर दिया था, इसके बावजूद जमीन के पुराने और बाद के दस्तावेजों की स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है, नामांतरण निरस्त होने का आदेश, रजिस्ट्री दस्तावेज और पावर ऑफ अटॉर्नी से संबंधित कागजात अब इस मामले में महत्वपूर्ण साक्ष्य बन सकते हैं, इन दस्तावेजों की तारीख, आधार और कानूनी प्रभाव का परीक्षण कर ही यह निर्धारित किया जा सकेगा कि भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया में कहाँ और किस स्तर पर कथित अनियमितता हुई, सवाल यह भी है कि यदि नामांतरण निरस्त कर दिया गया था, तो इसके बाद संबंधित भूमि को लेकर कौन-कौन सी गतिविधियाँ हुईं और क्या राजस्व रिकॉर्ड में आवश्यक सुधार समय पर किया गया? इन बिंदुओं की जांच से पूरे घटनाक्रम की कड़ी स्पष्ट हो सकती है।

हस्तांतरण, उसके आधार और संबंधित दस्तावेजों की वैधता पर सवाल उठते हैं, अब जांच का एक महत्वपूर्ण बिंदु यह होगा कि जब भूमि के शासकीय होने से संबंधित पुराने रिकॉर्ड मौजूद थे, तो निजी स्वामित्व की प्रविष्टि किन दस्तावेजों के आधार पर हुई, रजिस्ट्री के समय प्रस्तुत दस्तावेजों का सत्यापन कैसे किया गया और नामांतरण की प्रक्रिया में किन अभिलेखों को आधार बनाया गया, इसकी भी पड़ताल आवश्यक है, हालांकि, किसी भी व्यक्ति की आपराधिक जिम्मेदारी का अंतिम निर्धारण पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगा, फिलहाल कलेक्टर के निर्देश प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई से संबंधित है।

आलोक दुबे की शिकायत के बाद

प्रशासनिक जांच में सामने आए दस्तावेजी सवाल—शिकायतकर्ता आलोक दुबे ने कलेक्टर सरगुजा को दिए आवेदन में ग्राम केसरा की शासकीय भूमि को राजस्व अभिलेखों में कथित कूटरचना के जरिए निजी भूमि के रूप में दर्ज किए जाने का आरोप लगाया था, शिकायत में जमीन के पुराने रिकॉर्ड, खसरा नंबर और बाद में हुए कथित हस्तांतरण की जांच कराने की मांग की गई थी, आलोक दुबे की शिकायत में यह भी कहा गया कि जमीन को पहले निजी संपत्ति के रूप में दर्ज कराया गया और फिर दूसरे व्यक्तियों को बेच दिया गया, शिकायतकर्ता ने पूरे प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए संबंधित भूमि को शासकीय घोषित करने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की थी, प्रशासन ने शिकायत को समय-सीमा में दर्ज कर तहसीलदार मैनपाट से जांच प्रतिवेदन प्राप्त किया, जांच में सामने आए अभिलेखीय तथ्यों के आधार पर अब प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं, इस घटनाक्रम में शिकायतकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण रही, क्योंकि उनके आवेदन के बाद पुराने अधिकार अभिलेख और बाद के बंदोबस्त रिकॉर्ड के बीच अंतर को प्रशासनिक स्तर पर जांच के दायरे में लिया गया, हालांकि, कथित कूटरचना में किसकी क्या भूमिका रही, इसका अंतिम निर्धारण संबंधित दस्तावेजों और पुलिस विवेचना के आधार पर ही होगा।

वन भूमि के हस्तांतरण पर भी लागू होंगे कानूनी प्रावधान—मामले में संबंधित भूमि के छोटे झाड़ के जंगल यानी शासकीय मद में दर्ज होने का उल्लेख जांच प्रतिवेदन में किया गया है, ऐसे में भूमि के स्वरूप और हस्तांतरण की वैधता की जांच करते समय लागू वन संरक्षण संबंधी कानूनों तथा न्यायालयों के निर्देशों का परीक्षण भी महत्वपूर्ण होगा, प्रशासन की ओर से जारी जानकारी में कहा गया है कि वन भूमि के हस्तांतरण के मामलों में वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के प्रावधानों और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप ही कार्रवाई की जा सकती है, इसलिए यह स्पष्ट करना आवश्यक होगा कि संबंधित भूमि की कानूनी श्रेणी क्या है, उस पर कौन-से नियम लागू होते हैं और क्या किसी वैधानिक अनुमति या सक्षम प्राधिकारी के आदेश के आधार पर हस्तांतरण हुआ था, इन प्रश्नों का जवाब संबंधित विभागों के रिकॉर्ड और जांच से ही सामने आएगा।

कलेक्टर के दो अहम निर्देश: एफआईआर और राजस्व रिकॉर्ड में सुधार—इस मामले में कलेक्टर सरगुजा की कार्रवाई के दो प्रमुख पहलू हैं, पहला, तहसीलदार मैनपाट को आजाद इराकी सहित कुल पांच क्रेता-विक्रेताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं, इससे मामले में कथित कूटरचना और भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया की पुलिस जांच का रास्ता खुलता है, दूसरा, राजस्व अभिलेखों में की गई कथित अवैध प्रविष्टि को विलोपित करने के लिए संबंधित राजस्व अधिकारी को निर्देशित किया गया है, इसका उद्देश्य रिकॉर्ड में दर्ज प्रविष्टियों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक सुधार करना है, हालांकि, प्राथमिकी दर्ज होने या उसके निर्देश जारी होने मात्र से किसी व्यक्ति का अपराध सिद्ध नहीं हो जाता, पुलिस विवेचना में दस्तावेजों, हस्ताक्षरों, अभिलेखों की उत्पत्ति और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका का परीक्षण किया जाना आवश्यक होगा, इसी तरह, राजस्व रिकॉर्ड में सुधार की प्रक्रिया भी लागू नियमों और सक्षम प्राधिकारी के आदेशों के अनुसार पूरी की जानी होगी।

अब पुलिस जांच में खुलेंगी अभिलेखों की परतें—ग्राम केसरा की 3.460 हेक्टेयर भूमि का मामला सरकारी जमीन की सुरक्षा, राजस्व रिकॉर्ड के रखरखाव और भूमि हस्तांतरण की वैधानिक प्रक्रिया से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न सामने लाता है, वर्ष 1954-55 के अधिकार अभिलेख, वर्ष 1995-96 के बंदोबस्त रिकॉर्ड, वर्ष 2022 की रजिस्ट्री और नामांतरण निरस्त किए जाने से जुड़े दस्तावेज इस पूरे प्रकरण की जांच में अहम भूमिका निभा सकते हैं, शिकायतकर्ता आलोक दुबे की शिकायत के बाद प्रशासनिक जांच हुई और कलेक्टर ने प्राथमिकी दर्ज कराने तथा कथित अवैध प्रविष्टि विलोपित करने के निर्देश दिए हैं, अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पुलिस विवेचना में कथित कूटरचना के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका कैसे स्थापित होती है और राजस्व विभाग शासकीय भूमि से जुड़े रिकॉर्ड को दुरुस्त करने के लिए क्या कदम उठाता है, सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब बंदोबस्त रिकॉर्ड में जमीन शासकीय मद में दर्ज थी, तो बाद के दस्तावेजों में निजी स्वामित्व की प्रविष्टि किस आधार पर हुई? इसका जवाब पुराने अभिलेखों की जांच, संबंधित दस्तावेजों के सत्यापन और निष्पक्ष पुलिस विवेचना से ही सामने आएगा।

घरेलू विवाद में बेटे ने पीट-पीटकर की पिता की हत्या

उदयपुर के ग्राम पुटा की घटना, वारदात के बाद जयनगर भागा आरोपी पुत्र गिरफ्तार

—संवाददाता—

उदयपुर, 24 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पुटा में घरेलू विवाद के बाद बेटे ने अपने 70 वर्षीय पिता की लात-मुक्कों से पीटाई कर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी अपनी पत्नी के साथ फरार हो गया था। पुलिस ने तलाश के बाद उसे जयनगर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पुटा निवासी मनिनाथ मझवार (70) का शुक्रवार दोपहर अपने बेटे परबल (43) से घरेलू बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने घर के आंगन में पिता की लात-मुक्कों से बेरहमी से पीटाई कर दी।



गंभीर चोट लगने से मनिनाथ की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय मृतक की पत्नी घर पर नहीं थी। देर शाम घर लौटने पर उसे घटना की जानकारी हुई। इसके बाद ग्रामीणों को सूचना दी गई। ग्राम पंचायत पुटा के सरपंच नंद राम ने रात करीब 9 बजे पुलिस को तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने रात करीब 1 बजे जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम जयनगर से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई में थाना प्रभारी शिशिरकांत सिंह, एएसआई संजय गुप्त, पीएसआई भीखम लाल साहू, प्रधान आरक्षक संजय नागेश, आरक्षक रविन्द्र साहू, सूरजबली और नगर सैनिक नीरज साहू शामिल रहे।

दो सड़क हादसों में तीन युवकों की मौत, तीन घायल

प्रतापपुर में पिकअप की टक्कर से दो की गई जान, लखनपुर में बाइक सवार युवक की मौत,

—संवाददाता—

अंबिकापुर, 24 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा और सूरजपुर जिले में शुक्रवार को हुए दो सड़क हादसों में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक महिला और दो पुरुष घायल हो गए। प्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम करसी के पास पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। वहीं, लखनपुर में एनएच-130 पर पिकअप की टक्कर से एक युवक ने दम तोड़ दिया। घायलों का इलाज जारी है। तीनों मृतक बाइक चलाते या उस पर सवार होते समय हेलमेट नहीं पहने थे। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम करसी के पास शुक्रवार शाम करीब 6.30 बजे तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गोपालपुर निवासी मनीष यादव (32), शिवकुमार (35) और राजकुमारी बाइक से ग्राम टुकुंडाई गए थे। वहां से लौटते समय राजपुर की ओर से आ रहे पिकअप क्रमांक यूपी 64 सीटी 4289 ने कथित तौर पर गलत दिशा में आकर उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मनीष यादव की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिवकुमार और राजकुमारी को प्रतापपुर अस्पताल पहुंचाया। गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान शिवकुमार ने भी दम तोड़ दिया। राजकुमारी का



इलाज जारी है। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। मृतक मनीष के भाई रूपलाल यादव की शिकायत पर प्रतापपुर पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे की वजह तेज रफ्तार बताई जा रही है।

लखनपुर में एक युवक की मौत : दूसरा हादसा शुक्रवार रात करीब 8 बजे लखनपुर थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-130 पर हुआ। जानकारी के अनुसार, सिद्धमा निवासी जयपाल कंवर (32) अपने साथी के साथ बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में जयपाल की

मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हेलमेट नहीं पहनना भी बना चिंता का विषय : शुक्रवार को हुए दोनों हादसों में तीन युवकों की जान चली गई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। तीनों की मौत सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगने से होना बताया गया है। हेलमेट सिर की चोट का खतरा कम करने में मदद करता है, इसलिए दोपहिया वाहन चलाते समय चालक और पीछे बैठने वाले व्यक्ति, दोनों के लिए हेलमेट पहनना जरूरी है।

पीढियों से लाल पानी पी रहे दांतीढाब के ग्रामीणों को मिलेगी राहत

मैनपाट के दूरस्थ गांव में वाटर फिल्टर प्लांट की पहल, विधायक रामकुमार टोप्पो ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

—संवाददाता—

मैनपाट, 24 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

मैनपाट के दूरस्थ ग्राम नर्मदापुर के दांतीढाब में लंबे समय से लाल पानी की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों को अब स्वच्छ पेयजल मिलने की उम्मीद है। सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो ने गांव पहुंचकर ग्रामीणों से जनसंपर्क किया और उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान पेयजल सहित सड़क, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार, दांतीढाब में लंबे समय से लाल पानी की समस्या बनी हुई है। स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से लोगों को पेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में वाटर फिल्टर प्लांट की पहल से ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, नियमित स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता प्लांट के शुरू होने और उसके प्रभावी संचालन पर निर्भर करेगी। विधायक टोप्पो ने कहा कि उनका प्रयास है कि विधानसभा क्षेत्र का



कोई भी गांव सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करना और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासतंत्र भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन का उल्लेख करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं के विस्तार की प्रतिबद्धता जताई। दांतीढाब में जनसंपर्क के दौरान भाजपा मंडल पदाधिकारी एवं मैनपाट जनपद उपाध्यक्ष अनिल सिंह, धीरन सिंह, कुंजबिहारी गुप्ता, मोहित नामदेव, उपसरपंच सोनू अग्रवाल, नंदकुमार मोदी सहित युवा मोर्चा के पदाधिकारी और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सरगुजा वनवृत्त का पुनर्गठन कर ‘कोरिया वनवृत्त’ बनाने की मांग... समाजसेवी सौरभ सिंह ने मुख्यमंत्री को लिखा खुला पत्र वन्यजीव संरक्षण से लेकर प्रशासनिक कामकाज में तेजी लाने का दिया तर्क

-वि सिंह-

बैकुंठपुर/कोरिया, 24 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा वनवृत्त के व्यापक भौगोलिक क्षेत्र और वन प्रशासन से जुड़े कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अब कोरिया में अलग वनवृत्त के गठन की मांग उठने लगी है, समाजसेवी सौरभ सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम खुला पत्र जारी कर वर्तमान सरगुजा वनवृत्त का पुनर्गठन करते हुए कोरिया वनवृत्त के नवीन सृजन की मांग की है,उन्होंने इसे क्षेत्र में प्रशासनिक कसावट,वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन,वन्यजीव संरक्षण और स्थानीय समस्याओं के त्वरित निराकरण की दिशा में आवश्यक कदम बताया है,सौरभ सिंह ने अपने पत्र में कहा है कि सरगुजा वनवृत्त के अंतर्गत आने वाले विस्तृत क्षेत्र का प्रशासनिक नियंत्रण और सतत निगरानी करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है,ऐसे में कोरिया और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) क्षेत्र को केंद्र में रखकर स्वतंत्र वनवृत्त का गठन किया जाना चाहिए,ताकि स्थानीय स्तर पर वन विभाग से संबंधित कार्यों की निगरानी और निर्णय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

बड़े भौगोलिक क्षेत्र के कारण प्रशासनिक चुनौतियों का हवाला

खुले पत्र में सरगुजा वनवृत्त के व्यापक भौगोलिक विस्तार को प्रमुख आधार बनाया गया है,सौरभ सिंह का कहना है कि जग कई जिलों का वन प्रशासन एक ही वृत्त के अंतर्गत संचालित होता है,तब अधिकारियों के सामने सतत मॉनिटरिंग,योजनाओं के क्रिया-व्यवन और स्थानीय समस्याओं के समयबद्ध निराकरण जैसी चुनौतियां सामने आ सकती हैं,उका तर्क है कि कोरिया वनवृत्त बनने से

वन्यजीव संरक्षण और मानव-वन्यजीव संघर्ष पर रहेगा जोर...

सौरभ सिंह ने कोरिया और एमसीबी क्षेत्र की वन संपदा तथा जैव-विविधता का उल्लेख करते हुए कहा है कि इस इलाके में वनों की सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण को प्राथमिकता दिए जाने की आवश्यकता है,उनके अनुसार, अलग वनवृत्त का गठन होने पर वन्यजीवों की सुरक्षा,जंगलों की निगरानी और मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं की रोकथाम के लिए क्षेत्र केंद्रित रणनीति तैयार करने में मदद मिल सकती है, वनांचल क्षेत्रों में स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार निगरानी और संरक्षण संबंधी कार्यों को गति देना इस प्रस्ताव का एक प्रमुख उद्देश्य बताया गया है,हालांकि,इन संभावित लाभों को प्रभावी रूप से हासिल करने के लिए नए वनवृत्त की प्रशासनिक संरचना, संसाधनों और कार्यक्षेत्र का स्पष्ट निर्धारण भी जरूरी होगा।

क्षेत्रीय जरूरतों के अनुरूप योजनाओं की निगरानी की जा सकेगी,स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होने से वन विभाग से जुड़े मामलों में निर्णय लेने और संबंधित अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करने में भी सुविधा मिलने की उम्मीद है।

वन अधिकार और वन भूमि से जुड़े मामलों में तेजी की उम्मीद...

खुले पत्र में स्वतंत्र वनवृत्त के गठन से मुख्य वन संरक्षक कार्यालय की स्थानीय स्तर पर स्थापना की संभावना का भी उल्लेख किया गया है,सौरभ सिंह का मानना है कि ऐसा होने से वन अधिकार मान्यता पत्रों,क्षतिपूरक वनीकरण और विकास कार्यों से जुड़े वन भूमि डायवर्जन के प्रकरणों के निराकरण में सुविधा हो सकती है,उन्होंने तर्क दिया है कि वन विभाग से जुड़े अनेक मामलों में स्थानीय लोगों,आदिवासी समुदायों और विकास कार्यों से संबंधित पक्षों को विभागीय प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है,ऐसे में क्षेत्र के नजदीक उच्चस्तरीय वन प्रशासनिक कार्यालय होने से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा और समन्वय में मदद मिलने की उम्मीद है, हालांकि,इन मामलों के निराकरण की वास्तविक

गति विभागीय नियमों,अधिकारों के बंटवारे और प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर भी निर्भर करेगी।

लघु वनोपज और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने की बात-सौरभ सिंह ने कोरिया क्षेत्र में तेंदूपत्ता,महुआ और चिरौजी जैसी लघु वनोपज के संग्रहण का उल्लेख करते हुए कहा है कि अलग वनवृत्त बनने से वानिकी आधारित योजनाओं को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाने का अवसर मिल सकता है, उनके अनुसार, औषधीय पौधों के संवर्धन,वन संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और लघु वनोपज से जुड़ी गतिविधियों को प्रोत्साहन देने से स्थानीय आजीविका के अवसर विकसित करने में मदद मिल सकती है,वन आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी यह पहल उपयोगी साबित हो सकती है।

मुख्यमंत्री से संबंधित विभाग को निर्देश देने की मांग-समाजसेवी सौरभ सिंह ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वनांचल क्षेत्रों के संतुलित विकास,वन्यजीव संरक्षण और प्रशासनिक सुगमता को ध्यान में रखते हुए सरगुजा वनवृत्त के पुनर्गठन तथा कोरिया वनवृत्त के गठन के प्रस्ताव पर विचार किया जाए,उन्होंने इसके लिए संबंधित विभाग को



आवश्यक निर्देश देने की मांग की है,पत्र की प्रतिलिपि वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री,वन विभाग के प्रमुख सचिव,बैकुंठपुर विधायक भैयालाल राजवाड़े और भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह को भी भेजी गई है,ताकि इस प्रस्ताव पर उनके स्तर से भी

उचित कार्रवाई हो सके, अब देkhना होगा कि कोरिया में अलग वनवृत्त के गठन की इस मांग पर राज्य शासन और वन विभाग क्या रुख अपनाने हैं, यदि प्रस्ताव पर विचार किया जाता है,तो उसके भौगोलिक दायरे, प्रशासनिक ढांचे, संसाधनों और संभावित

लाभों का आकलन महत्वपूर्ण होगा, फिलहाल यह मांग समाजसेवी की ओर से मुख्यमंत्री को भेजे गए खुले पत्र के माध्यम से सामने आई है,शासन की ओर से इस संबंध में किसी निर्णय या कार्रवाई की जानकारी पत्र में नहीं दी गई है।

शतरंज प्रतियोगिता में पांचवें चक्र के मुकाबलों के बाद चार खिलाड़ी संयुक्त बढत पर चंडीगढ़ के हिमाल गुरैन,बिहार के किशन कुमार,ओडिशा के तपन बाड़ामुंडी और कोलकाता के कौस्तुभ कुंडू के खाते में पांच अंक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 24 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

सुसीमा वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से गांधी स्टेडियम के मल्टीपरपज हॉल में आयोजित शतरंज प्रतियोगिता में पांचवें चक्र के मुकाबलों के बाद चार खिलाड़ी पांच-पांच अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। इनमें चंडीगढ़ के इंटरनेशनल मास्टर हिमाल गुरैन, बिहार के किशन कुमार,ओडिशा के तपन बाड़ामुंडी और कोलकाता के आईएम कीस्तुभ कुंडू शामिल हैं। चार अन्य खिलाड़ी 4.5 अंकों के साथ बढत बनाए हुए हैं। इनमें महाराष्ट्र के श्रेयश घादी, सालिक नवाज मनिराह,यशद बांबेश्वर और सीएम विनोद शर्मा शामिल हैं। पांचवें चक्र के मुकाबलों में हिमाल गुरैन ने काले मोहरों से खेलते हुए झारखंड के तनिष्क कुमार को पराजित किया। वहीं,आईएम कौस्तुभ कुंडू ने सफेद मोहरों से खेलते हुए पश्चिम बंगाल के वैभव नेमा को हराया। बिहार के किशन कुमार ने छत्तीसगढ़ के अभिषेक राजवाड़े को शिकस्त दी। प्रतियोगिता के पांचवें चक्र के शुभारंभ अवसर पर सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक शिक्षा राजेश सिंह,सरगुजा कमांडेंट शिवकुमार कटैतिया,जिला परियोजना अधिकारी साक्षर भारत कार्यक्रम गिरीश गुप्ता और जन शिक्षा संस्थान के निदेशक एम. सिद्दीकी उपस्थित रहे। राजेश सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल भावना



के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की शुभकामनाएं दीं।

स्मृति विह देकर किया गया सम्मानित

आयोजन के सफल संचालन में योगदान देने वाली ऑफिशियल टीम के सदस्यों को अतिथियों ने सुसीमा वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। अतिथियों ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखने की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम में नवीन जायसवाल ने आभार व्यक्त किया। सभा का संचालन सत्येंद्र प्रजापति ने किया। प्रतियोगिता का संचालन दुर्गामेंद्र डायरेक्टर सरोज कुमार वैष्णव के निर्देशन में सुजीत जायसवाल,विश्वास तिवारी और संतोष कुमार बैगा के प्रबंधन में किया जा रहा है।

परसोड़ी ने मेंडरा को 2-0 से हराया सरगुजा इलेवन-रेलवे करंजी का मैच ड्रॉ



-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 24 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

शहर के गांधी स्टेडियम में खेले जा रहे संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 के अंतर्गत सुपर लीग मुकाबले के चौथे दिन का प्रथम मैच परसोड़ी विरुद्ध मेंडरा के मध्य खेला गया। प्रथम हाथ में परसोड़ी की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 1 गोल की बढत बना ली थी मैच के दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों ने अच्छे तालमेल के साथ खेला और परसोड़ी ने एक और गोल कर 2-0 से मैच जीत लिया। आज का दूसरा मैच सरगुजा इलेवन विरुद्ध रेलवे करंजी के मध्य खेला गया। मैच के प्रथम हाफ में दोनों टीम ने अच्छे तालमेल के साथ खेलते हुए लगातार गोल करने का प्रयास किया, लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिल पाई। मैच के दूसरे हाफ दोनों टीमों ने रोमांचक खेल दिखाए और लगातार एक दूसरे टीम के ऊपर हमला बनाते रहे और कई मौके मिले लेकिन खेल के अंतिम तक गोल नहीं हो सका। इस तरह से दोनों टीमों को एक एक अंक दिया गया। आज के मैच के निर्णायक दिनेश तिवारी,सुशील,ललित किशोर,राम बहादुर लाम्बा,सचिव दीपक कुजूर उप सचिव दिनेश जायसवाल,कमलेश क्रिस्मोड्डा,उपस्थित थे। रविवार को इस प्रतियोगिता के अंतर्गत दो मैच खेलें जाएंगे प्रथम मैच तालपारा विरुद्ध बालसेड़ी के मध्य खेला जाएगा वहीं दूसरा मैच कपसरा विरुद्ध कोटेया के मध्य खेला जाएगा।

पेंशनर्स का आरोप-एरियर्स भुगतान में देरी कर रही सरकार

दीपावली से पहले लंबित एरियर्स और 60 प्रतिशत महंगाई राहत देने की मांग,आंदोलन व अवमानना याचिका की वेतावनी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 24 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज ने राज्य सरकार पर पेंशनर्स के प्रति असंवेदनशीलता बरतने का आरोप लगाया है।

संगठन ने छठवें और सातवें वेतनमान के लंबित एरियर्स का भुगतान नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए दीपावली से पहले बकाया राशि और 60 प्रतिशत महंगाई राहत जारी करने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन और न्यायालय में अवमानना याचिका दायर करने की



चेतावनी दी गई है। छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज के प्रांताध्यक्ष चेतन भारती और उप प्रांताध्यक्ष हरिशंकर सिंह ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि बिलासपुर उच्च न्यायालय में मध्यप्रदेश और



छत्तीसगढ़ के बीच सहमति की संयुक्त प्रक्रिया समाप्त होने के बाद पेंशनर्स के छठवें एवं सातवें वेतनमान के क्रमशः 32 और 27 माह के लंबित एरियर्स का भुगतान तीन माह के भीतर करने का आदेश

दिया था। संगठन का आरोप है कि निर्धारित समयविधि में भुगतान नहीं किया गया है,जिससे पेंशनर्स में निराशा और आक्रोश है। पदाधिकारियों ने राज्य सरकार से उच्च न्यायालय के आदेश से अनुरूप लंबित एरियर्स का भुगतान करने तथा केंद्र सरकार की तर्ज पर 60 प्रतिशत महंगाई राहत देने के आदेश जारी करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि दीपावली से पहले भुगतान नहीं होने पर संगठन आंदोलन करने और न्यायालय में अवमानना याचिका दायर करने के लिए बाध्य होगा। इसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।

जनगणना के द्वितीय चरण के अंतर्गत चार्ज अधिकारियों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित शासन की योजनाएं एवं नीतियां तैयार करने में जनगणना की महत्वपूर्ण भूमिका : संभागाायुक्त दुग्गा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 24 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

डिजिटल जनगणन 2027 के द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना कार्य) का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आज शनिवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष अम्बिकापुर में संभागायुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया है। जिसमें जिले भर से आए चार्ज अधिकारी (तहसीलदार/सीएमओ) उपस्थित थे। इस दौरान संभागायुक्त श्री दुग्गा ने कहा कि द्वितीय



चरण की जनगणना में सावधानी पूर्वक प्रविष्टि दर्ज की जाए,ताकि जनगणना कार्य में कोई व्यक्ति एवं घर छूट न जाए,उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं एवं नीतियां तैयार करने में जनगणना के आंकड़ें महत्वपूर्ण होते हैं। अतः सभी चार्ज

अधिकारी संवेदनशील होकर कार्य करें और उन्हें जनगणना निर्देशों की पूरी जानकारी हो। इससे जुड़े सभी अधिकारी जनगणना निर्देश पुस्तिका का गहनता से अध्ययन कर लेंगे। कोई भी संका हो उसका समाधान आवश्यक कर लेंगे, ताकि मास्टर

नाबालिगों को जबरन पॉलिटैक्निक कॉलेज ग्राउंड में ले जाकर की मारपीट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 24 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

शहर के नमनाकला पानी टंकी क्षेत्र में बाइक तेज चलाने पर टोकना दो नाबालिगों को भारी पड़ गया। आरोप है कि युवकों ने दो नाबालिगों को जबरन उठाकर पॉलिटैक्निक ग्राउंड ले गए, जहां एक दर्जन से अधिक लड़कों ने मिलकर उनकी बेरहमी से पिटाई की। जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। घटना 21 अक्टूबर की है। नमनाकला पानी टंकी,कॉर्मल स्कूल और सत्यम कोचिंग के आसपास रहने वाले लोगों का आरोप है कि कुछ युवक बुलेट से तेज रफ्तार में घूमते हैं। इस दौरान पटाखे जैसी आवाज निकालने और गाली-गलौज करने से मोहल्लेवासी परेशान हैं। आरोप है कि एक नाबालिग ने बाइक धीरे चलाने की बात कही तो युवक उससे विवाद करने लगे और मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद दो नाबालिगों को जबरन पॉलिटैक्निक ग्राउंड ले जाकर उनके साथ मारपीट की गई। मोहल्लेवासियों का कहना है कि संबंधित युवकों का पहले भी लोगों से विवाद और मारपीट हो चुकी है।



निदेशालय नवा रायपुर से आए मास्टर टेऊर्स द्वारा कम्प्यूटर आधारित प्रतुतिकरण (पीपीटी) के माध्यम से चार्ज अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर श्री प्रताप विजय खेस्र,अनुविभागीय दणधिकारी अधिकारी अम्बिकापुर श्री बनसिंह नेताम, उदयपुर श्री रामराज सिंह,सीतापुर-सुश्री प्राची ठाकुर,डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रिंसी तम्बोली,सुश्री सुष्मिता टोंडे,सहित तहसीलदार एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित थे।



बैकुंठपुर निकाय चुनाव में गोंडवाना की एंट्री...आफताब, अभिनेन्द्र से मुलाकात ने बढ़ाई सियासी हलचल !

भाजपा-कांग्रेस के दावेदारों पर गोंडवाना की नजर? आफताब और अभिनेन्द्र से संपर्क के बाद चर्चाएं तेज...

आफताब अहमद और अभिनेन्द्र चंदेल से निलेश पाण्डेय की मुलाकात,क्या निकाय चुनाव में तीसरा विकल्प भी उतरेगा मैदान में? कांग्रेस से निष्कासित आफताब अहमद और भाजपा से जुड़े पार्षद अभिनेन्द्र सिंह चंदेल के घर पहुंचे गोंडवाना के निलेश पाण्डेय,टिकट की दौड़ के बीच तीसरे विकल्प की चर्चा तेज

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर, 24 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

नगर पालिका चुनाव की सरगमी बढ़ने के साथ बैकुंठपुर की राजनीति में अब तीसरे विकल्प की आहट भी सुनाई देने लगी है,अब तक अध्यक्ष पद के चुनाव की चर्चाएं मुख्य रूप से भाजपा और कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों के इर्द-गिर्द घूम रही थीं,लेकिन गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की सक्रियता ने राजनीतिक समीकरणों में एक नया पहलू जोड़ दिया है,पार्टी ने जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के लिए निलेश पाण्डेय को प्रभारी नियुक्त किया है,जिम्मेदारी मिलने के बाद वे संभावित प्रत्याशियों से संपर्क साधने में जुटे हैं, इसी सिलसिले में उनकी मुलाकात दो ऐसे नेताओं से हुई है, जिनका जुड़ाव अलग-अलग राष्ट्रीय दलों से है और जो नगर पालिका चुनाव में अपनी राजनीतिक संभावनाएं तलाश रहे हैं।

इनमें वर्तमान पार्षद अभिनेन्द्र सिंह चंदेल और कांग्रेस से निष्कासित आप्ताब अहमद उर्फ छोटे खान के नाम शामिल हैं,अभिनेन्द्र चंदेल निर्दलीय चुनाव जीतने के बाद भाजपा से जुड़ाव बनाए हुए हैं,जबकि आप्ताब अहमद की राजनीतिक पृष्ठभूमि कांग्रेस से जुड़ी रही है,दोनों के घर जाकर निलेश पाण्डेय की मुलाकात करना ऐसे समय चर्चा का विषय बना है,जब बैकुंठपुर नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए विभिन्न राजनीतिक दावेदार अपनी-अपनी पार्टी से टिकट मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं,इन मुलाकातों को लेकर राजनीतिक हलकों में कई तरह की संभावनाओं पर चर्चा होने लगी है,क्या गोंडवाना गणतंत्र पार्टी स्थानीय पहचान रखने वाले नेताओं को अपने साथ जोड़कर चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है? क्या भाजपा और कांग्रेस में टिकट नहीं मिलने की स्थिति में कुछ दावेदार तीसरे विकल्प की ओर देख सकते हैं? या फिर ये मुलाकातें संभावित प्रत्याशियों से परिचय और राजनीतिक संवाद तक सीमित हैं? फिलहाल किसी के पार्टी प्रवेश, टिकट या चुनावी गठजोड़ की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,इसलिए इन मुलाकातों को बगावत अथवा दल-बदल का संकेत संभावित है,लेकिन इतना जरूर है कि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की सक्रियता ने बैकुंठपुर के चुनावी विमर्श में एक नया सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या इस बार मुकाबले का गणित केवल भाजपा और कांग्रेस के बीच ही सीमित रहेगा, या तीसरा दल भी अध्यक्ष पद की दौड़ में अपनी जगह बनाने का प्रयास करेगा?

निलेश पाण्डेय की सक्रियता, संभावित प्रत्याशियों की तलाश शुरू

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने बैकुंठपुर की राजनीतिक गतिविधियों के लिए निलेश पाण्डेय को प्रभारी बनाया है,इसके बाद संभावित प्रत्याशियों से संपर्क साधने की उनकी कवायद को पार्टी की स्थानीय चुनावी तैयारी के संदर्भ

आफताब की कांग्रेस वापसी अधर में,गोंडवाना से संपर्क की चर्चा, बैकुंठपुर में नए सियासी समीकरण के संकेत एक भाजपा से जुड़ा पार्षद, दूसरा कांग्रेस से निष्कासित नेता-दोनों तक पहुंचे गोंडवाना के निलेश पाण्डेय टिकट नहीं मिला तो क्या बदलेंगे रास्ते? आफताब-अभिनेन्द्र से गोंडवाना की मुलाकात ने उठाए सवाल बैकुंठपुर में तीसरे विकल्प की तैयारी? गोंडवाना ने शुरू की प्रत्याशियों की तलाश, दो चर्चित चेहरों से संपर्क

राष्ट्रीय दलों के दावेदारों से गोंडवाना का संपर्क,बैकुंठपुर निकाय चुनाव में नए समीकरणों पर चर्चा...



दोनों नेताओं के बीच तालमेल की चर्चा...लेकिन कोई पुष्टि नहीं...

स्थानीय स्तर पर यह अनुमान भी लगाया जा रहा है कि अभिनेन्द्र चंदेल और आप्ताब अहमद,भले ही अलग-अलग राष्ट्रीय दलों से जुड़े रहे हों,लेकिन टिकट वितरण की स्थिति के अनुसार भविष्य में किसी प्रकार का राजनीतिक तालमेल बना सकते हैं,इस संभावना के पीछे तर्क यही दिया जा रहा है कि यदि दोनों में से किसी को अपने-अपने वर्तमान राजनीतिक विकल्पों से संतोषजनक अवसर नहीं मिलता, तो वे नए रास्ते तलाश सकते हैं,ऐसी स्थिति में किसी तीसरे दल के साथ जुड़ना या एक-दूसरे के प्रति समर्थन की रणनीति बनाना संभावित विकल्प हो सकता है,लेकिन दोनों के बीच किसी समझौते,साझा रणनीति अथवा एक-दूसरे के पक्ष में चुनावी समर्थन का कोई प्रमाण फिलहाल सामने नहीं आया है, इसलिए उनके बीच तालमेल को निश्चित मानना उचित नहीं होगा, राजनीति में पुराने संबंध और व्यक्तिगत संपर्क कई बार नए समीकरणों की चर्चा को जन्म देते हैं,लेकिन वास्तविक गठजोड़ तभी माना जा सकता है,जब संबंधित नेता अपनी भूमिका स्पष्ट करें और कोई औपचारिक निर्णय सामने आए।

सामने नहीं आया है,अब राजनीतिक नजरिए से महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यदि भाजपा उन्हें टिकट देती है,तो क्या वे पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे? और यदि टिकट नहीं मिलता,तो क्या वे संगठन के फैसले को स्वीकार करेंगे या दूसरे विकल्पों पर विचार करेंगे? फिलहाल इन सवालों के उत्तर भविष्य के घटनाक्रम पर निर्भर हैं, उनसे हुई मुलाकात की तीसरे दल की संभावित प्रत्याशी तलाश का हिस्सा माना जा सकता है, लेकिन इसे किसी राजनीतिक समझौते का प्रमाण कहना उचित नहीं होगा।

आफताब अहमद उर्फछोटे खान: कांग्रेस से निष्कासन के बाद भी अधूरा राजनीतिक अध्याय?

इस पूरे घटनाक्रम में आप्ताब अहमद उर्फ छोटे खान का नाम अधिक चर्चा में है,उनका राजनीतिक जुड़ाव लंबे समय तक कांग्रेस से रहा,लेकिन पिछले नगर पालिका चुनाव के दौरान हुए विवाद के बाद उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था,अब आगामी निकाय चुनाव फिर सामने है और उनकी कांग्रेस में वापसी की संभावना पर अनिश्चितता बनी हुई है, बैकुंठपुर नगर पालिका के पिछले अध्यक्ष पद के चुनाव का घटनाक्रम आज भी स्थानीय राजनीति के संदर्भ में चर्चा में आता है,उस चुनाव में कांग्रेस के पास पार्षदों की संख्या

भाजपा-कांग्रेस की टिकट प्रक्रिया भी तय करेगी आगे की दिशा

बैकुंठपुर नगर पालिका अध्यक्ष पद को लेकर भाजपा और कांग्रेस के दावेदार अभी अपने-अपने संगठन के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, संभावित उम्मीदवार अपने स्तर पर संपर्क बढ़ा रहे हैं, लेकिन अंतिम टिकट किससे मिलेगा, यह अभी तय नहीं है, ऐसे में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की सक्रियता को टिकट की राजनीति के समानांतर उभरती संभावना के रूप में देखा जा सकता है, यदि किसी दावेदार को टिकट नहीं मिलता, तो उसके अगले कदम पर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो सकती हैं, किसी भी नेता के सामने संगठन के फैसले को स्वीकार करने, पार्टी में बने रहने, निर्दलीय चुनाव लड़ने या किसी दूसरे दल से जुड़ने के विकल्प हो सकते हैं, वह किस दिशा में आगे बढ़ेगा, इसका निर्णय वही नेता करेगा, इसी वजह से निलेश पाण्डेय की मुलाकातों का वास्तविक महत्व आने वाले दिनों में ही स्पष्ट होगा, भाजपा और कांग्रेस की टिकट घोषणा के बाद यह देखा होगा कि अभिनेन्द्र चंदेल और आप्ताब अहमद अपनी राजनीतिक स्थिति को किस तरह आगे बढ़ाते हैं।

क्या गोंडवाना गणतंत्र पार्टी बन सकती है आफताब का तीसरा विकल्प?

आप्ताब अहमद की राजनीतिक स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि उनकी पुपनी पार्टी कांग्रेस है,लेकिन फिलहाल वे संगठन का हिस्सा नहीं हैं,ऐसे में आगामी चुनाव में उनकी भूमिका का प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है, यदि उनकी कांग्रेस में वापसी नहीं होती,तो उनके सामने निर्दलीय चुनाव लड़ने या किसी अन्य राजनीतिक दल के साथ जुड़ने जैसे विकल्प हो सकते हैं, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रभारी से हुई मुलाकात को इसी संभावना के संदर्भ में देखा जा रहा है,लेकिन किसी संभावित विकल्प पर चर्चा और उसके लिए औपचारिक निर्णय लेने में अंतर होता है,अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आप्ताब अहमद गोंडवाना से जुड़ने के इच्छुक हैं या निलेश पाण्डेय ने उन्हें पार्टी की ओर से किसी प्रस्ताव के साथ आमंत्रित किया है,दोनों पक्षों की ओर से सार्वजनिक पुष्टि के बिना इस विषय को संभावित राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में ही प्रस्तुत किया जा चाहिए,फिर भी यदि भविष्य में आप्ताब अहमद किसी तीसरे दल से जुड़ते हैं,तो वह उनके राजनीतिक सफर में एक नया अध्याय होगा, उनकी स्थानीय पहचान और पिछले चुनाव से जुड़ी पृष्ठभूमि के कारण ऐसी किसी घोषणा पर राजनीतिक हलकों में चर्चा होना स्वाभाविक है।

क्या बैकुंठपुर में त्रिकोणीय मुकाबले की जमीन तैयार हो रही है?

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की सक्रियता के बाद बैकुंठपुर नगर पालिका चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबले की संभावना पर चर्चा होने लगी है,अब तक स्थानीय चुनाव की मुख्य राजनीतिक तस्वीर भाजपा और कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों के इर्द-गिर्द रही है,तीसरे दल की ओर से संभावित दावेदारों से संपर्क किए जाने की खबर इस तस्वीर में एक नया पहलू जोड़ती है,हालांकि किसी दल का प्रभारी नियुक्त होना या संभावित प्रत्याशियों से मुलाकात करना अपने आप में यह साबित नहीं करता कि पार्टी प्रभावी चुनावी मुकाबले के लिए तैयार है,इसके लिए उम्मीदवारों की औपचारिक घोषणा, संगठन की सक्रियता,चुनावी अभियान और स्थानीय मुद्दों पर पार्टी की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी,यदि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी किसी स्थानीय पहचान वाले उम्मीदवार को अध्यक्ष पद के लिए उतारती है,तो वह चुनावी प्रतिस्पर्धा में एक नया विकल्प प्रस्तुत कर सकती है, लेकिन इसका असर किस दल पर पड़ेगा या कौन-सा उम्मीदवार कितना समर्थन हासिल करेगा,इसका अनुमान अभी लगाना संभव नहीं है।

फिलहाल संपर्क की राजनीति,अगला कदम बाकी

बैकुंठपुर में निलेश पाण्डेय की नियुक्ति और संभावित प्रत्याशियों से संपर्क ने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की स्थानीय सक्रियता को चर्चा में ला दिया है, अभिनेन्द्र सिंह चंदेल और आप्ताब अहमद से उनके घर जाकर मुलाकात होना इस घटनाक्रम का प्रमुख पहलू है, एक ओर भाजपा से जुड़े वर्तमान पार्षद अभिनेन्द्र चंदेल की संभावित दावेदारी और पार्टी के साथ उनका संबंध चर्चा में है, दूसरी ओर कांग्रेस से निष्कासित आप्ताब अहमद के सामने आगामी चुनाव में राजनीतिक विकल्प का प्रश्न है,दोनों से संपर्क को पार्टी के लिए संभावित प्रत्याशियों से संवाद की प्रक्रिया के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन किसी के पार्टी बदलने,टिकट पाने या चुनावी समझौते की पुष्टि अभी नहीं हुई है,फिलहाल बैकुंठपुर की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि किसने किससे मुलाकात की, बल्कि यह है कि इन मुलाकातों के बाद कोई ठोस राजनीतिक निर्णय सामने आता है या नहीं,गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की ओर से उम्मीदवार घोषित होने, आप्ताब अहमद से वास्तविक त्रिकोणीय मुकाबले में बदलने के लिए अभी कई राजनीतिक निर्णय बाकी हैं।

जल संसाधन विभाग में 15 अभियंताओं के हुए तबादले



रायपुर,24 अक्टूबर 2026। जल संसाधन विभाग ने प्रशासकीय दृष्टिकोण से 15 अभियंताओं का स्थानांतरित करते हुए अलग-अलग स्थानों पर पदस्थ किया है। तबादले की जद में आने वाले अभियारियों में अधीक्षण अभियंता आरके बंजारे,कार्यपालन अभियंता टीआर मेश्राम,कार्यपालन अभियंता एनसी सिंह, अनुविभागीय अधिकारी एसडी रेकवार,अनुविभागीय अधिकारी शिवकुमार गिलहरे,अनुविभागीय अधिकारी बीएल खंडेल, अनुविभागीय अधिकारी राजेंद्र कुमार सोनी,अनुविभागीय अधिकारी गोपी कृष्ण शर्मा,अनुविभागीय अधिकारी अमितेश दुबे, अनुविभागीय अधिकारी केएल नेताम,अनुविभागीय अधिकारी भरत कुमार, प्रभारी कार्यपालन अभियंता संदीप धवन,अनुविभागीय अधिकारी हीरा लाल साहु,अनुविभागीय अधिकारी बृजमोहन चौहान और कार्यपालन अभियंता राकेश शर्मा शामिल हैं।

13.79 लाख से ज्यादा का गांजा जब्त...ओडिशा से अहमदाबाद ले जाने की थी तैयारी, 4 आरोपी गिरफ्तार



पिथौरा,24 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ के महासमुंद में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स और सिंधोड़ा पुलिस ने राजस्थान के 4 तस्करो को चेकिंग के दौरान पकड़ा,जिसके पास से 13 लाख रुपए से ज्यादा का गांजा बरामद किया गया। दरअसल, 23 अक्टूबर की रात एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स को मुखबि्र से सूचना मिली की 4 युवक पीडू बैग में गांजा लेकर पैदल उड़ीसा से छत्तीसगढ़ की ओर आ रहे हैं। सूचना पर एक्शन लेते हुए एनएच-53 रोड ग्राम रेहटीखोल के पास घेराबंदी की गई और चारों को पकड़ा गया। वहीं जब उनके पीडू बैग की तलाशी ली गई,तो उसके अंदर 27.590 किलो अवैध गांजा मिला। बरामद गांजे की कीमत 13.79,500 रुपये आंकी गई। साथ ही उनके कब्जे से 4 मोबाइल भी जब्त किया गया। आरोपियों ने पुछताछ में बताया कि गांजा की फुलबानी,जिला कदमाल, उडिसा से अहमदाबाद गुजरात लेकर जा रहे हैं।

मुंगेली और बिलासपुर में वनोे नए पुल,डिटी सीएम अरुण साव ने 14.25 करोड़ रुपये की दी मंजूरी

रायपुर,24 अक्टूबर 2026। सड़क संपर्क और आवागमन की सुविधाओं को मजबूत करने लोक निर्माण विभाग ने मुंगेली और बिलासपुर जिलों में दो नए पुलों के लिए राशि मंजूर की है। दोनों पुलों और उनके पहुंच मार्गों के निर्माण के लिए कुल 14 करोड़ 25 लाख 97 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने दोनों कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति के आदेश जारी कर दिए हैं। मुंगेली जिले के तखतपुर-बरेला मार्ग पर मनियारी नदी में मौजूदा जलमग्निय पुल के स्थान पर उच्च स्तरीय पुल तथा बिलासपुर जिले के बेलगहना-कोंचरा-खोंगसरा मार्ग पर डोंगानाला में उच्च स्तरीय पुल के निर्माण शामिल हैं। दोनों पुलों के साथ पहुंच मार्ग भी बनाए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग ने तखतपुर-बरेला राज्य मार्ग में मनियारी नदी पर जलमग्निय पुल के स्थान पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 7 करोड़ 67 लाख 11 हजार रुपए मंजूर किए हैं। वर्तमान में वहां जलमग्निय पुल होने के कारण नदी का जलस्तर बढ़ने पर आवागमन प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। नए उच्च स्तरीय पुल के निर्माण से इस मार्ग पर आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम हो सकेगा। विशेष रूप से बारिश के मौसम में लोगों को राहत मिलेगी और सड़क संपर्क की निरंतरता बनाए रखने में मदद मिलेगी। विभाग ने बेलगहना-कोंचरा-खोंगसरा मार्ग पर डोंगानाला में उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 6 करोड़ 58 लाख 86 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी है।



दवाएं सस्ती हों, ग्रामीणों तक पहुंचे इलाज नकली दवाओं पर लगे रोक : राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर,24 अक्टूबर 2026। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि सस्ता इलाज, किफायती दवाएं और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना देश की प्रमुख चुनौतियां हैं। इनके समाधान के लिए चिकित्सकों,फार्मासिस्टों,शिक्षकों और शोधकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। स्वास्थ्य और शिक्षा को केवल कारोबार नहीं, बल्कि समाजसेवा का माध्यम बनाया जाना चाहिए। उन्होंने नकली दवाओं पर रोक लगाने, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर वैज्ञानिक शोध करने और छत्तीसगढ़ की वनोपधियों के पारंपरिक ज्ञान को सामने लाने पर जोर दिया। राज्यपाल डेका आज पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,रायपुर में एसोसिएशन ऑफ फार्मास्यूटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (एपीटीआई) के 28 वें राष्ट्रीय अधिवेशन एफिकॉन-2026 को संबोधित कर रहे थे। अधिवेशन का विषय 'फार्मा शिक्षक आत्मनिर्भर भारत के लिए फार्मासिस्ट तैयार करने का संकल्प' था। राज्यपाल ने कहा कि देश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रगति की है,लेकिन ग्रामीण आबादी तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना अब भी चुनौती है। दवाओं की कीमत आम आदमी की पहुंच



में होनी चाहिए। चिकित्सकों को दवाएं लिखते समय मरीज की आर्थिक स्थिति का ध्यान रखना चाहिए और जहां संभव हो, कम कीमत वाली प्रभावी दवाओं के विकल्प अपनाने चाहिए। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि चिकित्सकों और फार्मासिस्टों की गांवों तक पहुंचकर लोगों को जागरूक करना होगा। गर्भवती महिलाओं, माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य विशेष ध्यान देना जरूरी है। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों, विशेषकर बैगा समुदाय के पास औषधीय पौधों और पारंपरिक उपचार पद्धतियों से जुड़ा महत्वपूर्ण ज्ञान है। इसका वैज्ञानिक अध्ययन और

दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए। भारतीय चिकित्सा परंपराओं में उपलब्ध जानकारी की ध्यान रखना चाहिए और जहां संभव हो, कम कीमत वाली प्रभावी दवाओं के विकल्प अपनाने चाहिए। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि चिकित्सकों और फार्मासिस्टों की गांवों तक पहुंचकर लोगों को जागरूक करना होगा। गर्भवती महिलाओं, माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य विशेष ध्यान देना जरूरी है। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों, विशेषकर बैगा समुदाय के पास औषधीय पौधों और पारंपरिक उपचार पद्धतियों से जुड़ा महत्वपूर्ण ज्ञान है। इसका वैज्ञानिक अध्ययन और

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 : अमित शाह-मंडाविया होंगे शामिल

सारंग हेलीकॉप्टर और सूर्यकिरण टीम दिखाएंगे हवाई करतब बॉलीवुड सिंगर्स के परफॉमेंस,6 रूट से पहुंचेंगे लोग...

रायपुर,24 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ के 26वें स्थापना दिवस पर नवा रायपुर के तृता मेला मैदान में 1 से 3 नवंबर तक राज्योत्सव 2026 का आयोजन होगा। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया और समापन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शामिल होने की संभावना है। इस बार की थीम 'सशक्त नारी-युवा उड़ान' रखी गई है। तीन दिवसीय आयोजन में बॉलीवुड सिंगर पलक मुच्छल, स्वस्ति मेहुल और अभिजीत भट्टाचार्य के परफॉमेंस के साथ-साथ स्थानीय कलाकार छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को झलक पेश करेंगे। सारंग हेलीकॉप्टर और भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम एयर शो करेंगी। राज्योत्सव स्थल पहुंचने के लिए 6 रूट निर्धारित किए गए हैं, जबकि अलग-अलग मार्गों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। वहीं, 3 नवंबर को राज्य अलंकरण समारोह के साथ राज्योत्सव का समापन होगा। राज्योत्सव स्थल पहुंचने के लिए 6 रूट



राज्योत्सव में होगा एयर शो, ताईख तय नहीं

राज्योत्सव 2026 के दौरान नवा रायपुर के सेंध लेक क्षेत्र में सारंग हेलीकॉप्टर और भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम के एयर शो का आयोजन होगा। सूर्यकिरण टीम करीब 40 मिनट के शो में 9 विमानों के साथ फॉर्मेसन फ्लाईंग और एयरोबेटिक स्टंट्स का प्रदर्शन करेगी। इसकी तैयारियों को लेकर रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह ने शनिवार को अधिकारियों की बैठक ली। इसमें वायुसेना के सीनियर अफसरों सहित जिला प्रशासन, नगर निगम और विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। हालांकि, एयर शो की तारीख और समय की अधिकृत जानकारी अभी नहीं आई है।



'सशक्त नारी-युवा उड़ान' होगी थीम

इस बार की थीम में महिला सशक्तीकरण और युवाओं की भूमिका पर फोकस रहेगा। राज्योत्सव में इसके जरिए महिलाओं और युवाओं से जुड़ी योजनाओं, अवसरों और विकास की संभावनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। अलग-अलग विभाग अपने स्टॉल लगाएंगे, जहां सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी जाएगी। प्रदर्शनियों में ईज ऑफ इडिंग बिजनेस, मानव पूंजी विकास, विकसित भारत और अंजोर छत्तीसगढ़ जैसे विषय शामिल किए जाएंगे।

40 राज्य स्तरीय अलंकरण-पुरस्कार दिए जाएंगे

राज्योत्सव के दौरान अलग-अलग क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों को राज्य स्तरीय अलंकरण और पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। आयोजन में कुल 40 राज्य स्तरीय अलंकरण एवं पुरस्कार प्रदान किए जाने हैं। नवा रायपुर में राज्योत्सव मेला स्थल पर मुख्य मंच के सामने विशाल डोम बनाए जा रहे हैं, जिनमें 60एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी। दर्शकों के बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था की गई है। एंट्री के लिए 2 गेट होंगे, जिनमें से एक विभागीय प्रदर्शनों के लिए होगा। इस प्रदर्शनी में राज्य शासन के अलग-अलग विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। स्थल पर 40 हजार वाहनों की पार्किंग, 300 शौचालय, 20 बेड का अस्पताल,25 एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड वाहनों की व्यवस्था की गई है।

निर्धारित किए गए हैं। अलग-अलग शहरों बनाए गए हैं, जहां गाड़ियां पार्क कर दर्शक से आने वाले वाहनों के लिए पार्किंग स्थल पैदल आयोजन स्थल तक पहुंच सकेंगे।

बिलासपुर के गांवों में कचरा फेंकने पर लगेगा जुर्माना

घरों में ही 4 श्रेणियों में अलग करना होगा कचरा

बिलासपुर,24 अक्टूबर

2026। बिलासपुर में शहरों की तर्ज पर अब गांवों को भी स्वच्छ और कचरा मुक्त बनाने के लिए नियम सख्त किए जा रहे हैं। ग्रामीणों को घरों में ही कचरे को चार श्रेणियों में अलग करना होगा। सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने और समझाइश के बाद भी नियमों का पालन नहीं करने वालों पर नियमानुसार जुर्माना लगाया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की राज्य सलाहकार मोनिका सिंह ने शुक्रवार को बिल्हा विकासखंड के ओडीएफ मॉडल ग्राम बिटकुली,पासीद,खम्हारडीह और मंगला (प) में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने गांवों में स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा की और ग्रामीणों की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वच्छप्राहियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के तहत कचरे को चार श्रेणियों में अलग करने की जानकारी दी। इसमें सूखा कचरा, गीला कचरा,



सेनेटरी कचरा और विशेष देखभाल वाला इलेक्ट्रॉनिक कचरा शामिल है। मोनिका सिंह ने सरपंचों और सचिवों से कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वालों को पहले समझाइश दी जाए। इसके बाद भी नियमों का पालन नहीं करने पर नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि कचरे का सही प्रबंधन घर से ही शुरू होना चाहिए। इसके लिए लोगों को जागरूक करने के साथ नियमित कचरा संग्रहण की व्यवस्था भी प्रभावी बनानी होगी। राज्य सलाहकार ने घर-घर कचरा संग्रहण करने वाले स्वच्छाही समूहों से चर्चा कर उनके कामकाज की जानकारी ली।



27 अक्टूबर को आएंगे नवकिशोर पटनायक

कांग्रेस की आगामी रणनीति में 27 अक्टूबर को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी) के प्रभारी नवकिशोर पटनायक का विलासपुर दौरा भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वे शहर में मीडिया से चर्चा करने के साथ जिला कांग्रेस कमेटी, ब्लॉक एवं मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। इसके बाद वे गौरिला-पेंड्रा-मरावडी (जीपीएम) और कोखा में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों और अभियान की तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

कार्यकर्ताओं को रैली में शामिल करने की है। इसके लिए संगठन के विभिन्न स्तरों पर समन्वय और तैयारियों पर जोर दिया जा रहा है।

आम जनता के अधिकार को लेकर है लड़ाई : कांग्रेस प्रवक्ता और शहर प्रभारी शैलेश नितिन त्रिवेदी का कहना है कि

सड़क निर्माण के दौरान विस्फोट..चालक समेत 5 लोगों की मौत,2 वाहन क्षतिग्रस्त

जगदलपुर,24 अक्टूबर

2026। आंध्रप्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजु जिले में शनिवार सुबह भीषण विस्फोट होने से पांच लोगों की मौत हो गई। हादसा अर्नतगिरि मंडल के पिनाकोटा में सड़क निर्माण कार्य के दौरान हुआ। जानकारी के अनुसार,जिलेटिन की छड़ों से जुड़े विस्फोटक उपकरण में अचानक धमाका हो गया, जिसकी चपेट में आने से एक चालक और चार मजदूरों की जान चली गई। जानकारी के मुताबिक, सड़क निर्माण कार्य के दौरान अचानक हुए विस्फोट से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। धमाका



इतना भीषण था कि इसकी वजह से दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। विस्फोटक उपकरण में धमाका किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी विस्तृत जानकारी जांच के बाद सामने आने की उम्मीद है।

वोट चोरी पर सियासत...सांसद संतोष पांडेय ने कहा,कांग्रेस भटका रही लोगों का ध्यान,भूपेश ने 25 लाख नाम काटे जाने पर मांगा जवाब

रायपुर,24 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी टकराव तेज हो गया है। भाजपा सांसद और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता संतोष पांडेय ने वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर को घेरते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष मतदाताओं को भ्रमित कर रहा है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 25 लाख लोगों के नाम काटे जाने का दावा करते हुए भाजपा और निर्वाचन आयोग से सवाल पूछे हैं। दोनों नेताओं के बयानों के बीच प्रदेश में मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। संतोष पांडेय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस



प्रधानमंत्री के कामों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए वोट चोरी का मुद्दा उठा रही है। उनके मुताबिक,कांग्रेस का वोट शेयर लगातार गिर रहा है और पार्टी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को हक मतदाताओं के मन में अविश्वास पैदा करने की कोशिश कर रही है। भाजपा सांसद ने निर्वाचन आयोग को निष्पक्ष संस्था बताते हुए कहा कि वह जनादेश का रक्षक है। उन्होंने विशेष गहन

बीरगांव वोटर लिस्ट में मेयर नंदलाल का जेंडर महिला दर्ज

पूर्व मेयर अबिका यदु को पुरुष और भाजपा मंडल अध्यक्ष भागीरथी को महिला बताया

रायपुर,24 अक्टूबर 2026। रायपुर के बीरगांव नगर निगम में चुनाव से पहले वोटर लिस्ट में दर्ज जानकारीयों में गड़बड़ी सामने आई है। सूची में वर्तमान कांग्रेस महापौर नंदलाल देवांगन का जेंडर महिला दर्ज है,जबकि पूर्व महापौर अबिका यदु को पुरुष बताया गया है। बीरगांव मेयर इन कार्डसिल के सदस्य इकराम अहमद को भी महिला दर्ज किया गया है। भाजपा नेता भागीरथी, अध्यक्ष मां बंजारी भाजपा मंडल बीरगांव, का नाम भी महिला के रूप में दर्ज है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। मतदाता सूची में नाम,फोटो,जेंडर और दूसरी जानकारीयां सही होना जरूरी है। जनप्रतिनिधियों के रिकॉर्ड में ऐसी गलतियां सामने आने के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस ने सूची में गड़बड़ियों को सुधारने की मांग की है।

कांग्रेस-भाजपा नेताओं के नाम और फोटो में भी गलतियां होने का दावा

मतदाता सूची में गड़बड़ी का मामला केवल जेंडर तक सीमित नहीं है। स्थानीय स्तर पर कांग्रेस और भाजपा के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं के नाम और तस्वीरों के मिलान में भी त्रुटियां होने की बात कही जा रही है। हालांकि,इन मामलों की संख्या और प्रकृति की जानकारी सामने नहीं आई है। वोटर लिस्ट में नाम, फोटो या अन्य जरूरी विवरण गलत दर्ज हैं,तो



मतदाताओं को अपनी पहचान से जुड़ी जानकारी में प्रशंसी हो सकती है। चुनाव से पहले ऐसी त्रुटियों की जांच कर उन्हें ठीक करना जरूरी है।

विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद भी कैसे रह गई गलती?

विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची में दर्ज जानकारीयों की जांच की जाती है और गलतियों को सुधारा जाता है। इसके लिए मतदाताओं की जानकारी जुटाकर उसका मिलान किया जाता है। डिजिटल पोर्टल पर जानकारी दर्ज होने के बाद क्या दोबारा जांच की गई? गलतियों को सुधारने के लिए अब क्या कदम उठाए जाएंगे? इन सवालों पर निर्वाचन अधिकारियों का जवाब आना बाकी है।